॥ श्री ॥

तुलसीदासकृत

कबित्तरामायण.



यह पुस्तक

सुजनलोकोंकेवास्ते

मुंबईमें

हरिप्रसाद भगीरथने

जगदीश्वर छापखानेमें छ०

ता० १ माहे मार्च सन १८९०

श्रीः

अथ

तुलसीदासकृतकबित्तरामायण.

सवैया.

अवधेसकेद्वारसबेरे गईसुतगोदकैभूपतिलै निकसे ॥ अवलोकिहौं सोचबिमोचन कोठगिसीरहिजोनठगे धिकसे ॥ तुलसीमनरंजनरंजितअंजननैनसुखंजन जातकसे ॥ सजनीससिमेंसमसीलउभैनवनीलस रोरुहसेबिकसे ॥ १ ॥ पगनूपुरऔपहुंचीकरकंजनि मंजुबनीमनिमालहिये ॥ नवनीलकलेवरपीतझगा उलकैपुलकैनृपगोदलिये ॥ अरबिंदसोआननरूपम रंदअनंदितलोचनभृंगपिये ॥ मनमोंनाबऱ्यौऐसो बालकज्यौंतुलसीजगमेंफलकौंनजिये ॥ २ ॥ तन कीदुतिस्यामसरोरुहलोचनकंजकीमंजुलताइहरै ॥

अतिसुंदरसोभितधूरिभरेछबिभूरिअनंगकीदूरिधरै॥ दमकैंदतियांदुतिदामिनिज्यौंकिलकैंकलबालविनोद करै ॥ अवधेसकेबालकचारिसदातुलसीमनमंदिरमें विहरै ॥ ३ ॥ कबहूंससिमागतआरिकरैकबहूंप्र तिबिंबनिहारिडरैं ॥ कबहूंकरतालबजाइकेनाचत मातुसबैमनमोदभरैं ॥ कबहूंरिसिआइकहैंहठिकैपुनि लेतसोईजेहिलागिअरैं॥अवधेसकेबालकचारिसदातु लसीमनमंदिरमेंबिहरैं॥४॥वरदंतकीपंगतिकुंदकली अधराधरपल्लवखोलनकी ॥ चपलाचमकैंघनबीच जगैछबिमोतिनमालअमोलनकी ॥ घुंघुरारिलटैं लटकैंमुखऊपरकुंडललोलकपोलनकी ॥ नवछाव रप्रानकरैतुलसीबलिजांउललाइनबोलनकी ॥५॥ पदकंजनिमंजुबनींपनहीं धनुहींसरपंकजपानिलि ये ॥ लरिकासंगखेलतडोलतहैंसरजूतटचौहटहा टहिये ॥ तुलसीऐसेबालकसेनहिंनेहकहाजप जोगसमाधिकिये ॥ नरतेखरसूकरस्वानसमानक

हौजगमैंफलकौनजिये ॥ ६ ॥ सरजूबरतीरहिं
तीरफिरैंरघुबीरसखाअरुबीरसबै ॥ धनुहींकरती
रनिषंगकसैकटिपीतदुकूलनबीनफबै ॥ तुलसी
तेहिऔसरलाबनितादसचारिनौतीनएकिससबै॥ म
तिभारतपंगुभईजोनिहारिबिचारिफिरिउपमानफबै
॥ ७॥ ॥ घनाक्षरी ॥ ॥ छोनीमेकेछोनीपतिछा
जैजिन्हैछत्रछायाछोनीछोनीछाएछितिआएनिमिरा
जके ॥ प्रबलप्रचंडबरिबंडबरबेषबपुबरिबेकोबोलेबै
देहीबरकाजके ॥ बोलेबंदिबिरुदबजाईबरबाजनेऊ
बाजेबाजेबीरबाहुधुनतसमाजके ॥ तुलसीमुदित
मनपुरनरनारिजेतेबारबारहरैंसुखऔधमृगराजके ॥
॥ ८ ॥ सीयकेस्वयंवरसमाजजहांराजनिकोराजनि
केराजामहाराजाजानैनामको ॥ पवनपुरंदरकृसा
नुभानुधनदसेगुनकेनिधानरूपधामसोमकामको ॥
बानबलवानजातुधानपतिसारिखेसूरजिन्हगुमान
सदासलिमसंग्रामको ॥ तहांदसरथकोसमर्थनाथतु

लसींकेचपरिचढायोचापचंद्रमाललामको ॥ ९ ॥
मयनमहनपुरदहनगहनजानिआनिकैसवैकोसारध
नुपगढायोहैं ॥ जनकसदसिजेतेभलेभलेभूमिपाल
कीएवलहीनवलआपनोवढायोहै ॥ कुलिसकठोर
कूर्मपीठितेकठिनअतिहठिनपिनाककाहूचपरिचढा
योहै ॥ तुलसीसोरामकेसरोजपानिपरसतहींटूट्यो
मानोवारेतेपुरारिहिंपढायोहै ॥ १०॥ छपै॥डिगति
उर्वीअतिगुर्वीसर्वपवैसमुद्रसर ॥ व्यालवधिरतेहिका
लविकलदिगपालचराचर ॥ दिगगयंदलरखरतपर
तदसकंधमुखभर ॥ सुरविमानहिमभानुयानिसंघ
टितपरस्पर ॥ चौकेविरंचिसंकरसहितकोलकम
ठअहिकलमल्यौ ॥ ब्रह्मंडखंडकीयोंचंडधुनिजवहि
रामसिवधनुदल्यौ ॥ ११ ॥ ॥ घनाक्षरी ॥ ॥
लोचनाभिरामघनस्यामरामरूपसिसु सखीकहैस
खीसोंतूप्रेमपयपालिरी ॥ वालकनृपालजूकेख्या
लहींपिनाकतोऱ्योमंडलीकमंडलीप्रतापदापदालि

री ॥ जनककोसियाकोहमारोतुलसीकोसबकोभाव
तोव्हैहैमैंजोकह्यौकालिरी ॥ कौसलाकीकोखिपरतो
षितनपरिबारियेरीरायदसरत्थकीबलायलीजेआलि
री ॥ १२ ॥ दूबदधिरोचनाकनकथारभरिभरिआर
तिसंवारिबरनारिचलींगावतीं॥लीन्हेजयमालकरकं
जसोहैंजानकीकेपहिरावोराघोजीकोंसखियसिखाव
तीं ॥ तुलसीमुदितमनजनकनगरजनझांकतीझरोखे
लागीसोभारानीपावतीं ॥ मानहुंचकोरीचारुबैठीं
निजनिजनीडचंदकीकिरिनिपीवेंपलकोनलावतीं ॥
॥ १३ ॥ नगरनिसानबरबाजैंव्योमदुंदुभीबिमानच
ढिगानकैकैसुरनारिनाचहीं ॥ जयतिजयतिहूंपुरजन
मालरामउरबरखैंसुमनसुररूरेरूपराचहीं॥जनकको
पनजयोसबकोभावतोभयोतुलसीमुदितरोमरोममो
दमाचहीं ॥ सांवरोकिसोरगोरीसोभापरतृनतोरिजो
रिजियौजुगजुगजुवतिजनजाचहीं ॥ १४॥ भलेभूप
कहत्भलेसबदिसभूपनिसोलोकलखिबोलिएपुनीति

रीतिमारखी ॥ जगदंवाजानकीजगतपितुरामभद्रजा
निजियजोहोजोलगेनमुहकारखी ॥ देखेहैंअनेकव्या
हसुनेहैंपुरनवेदवूझैहैंसुजानसाधुनरनारिपारखी ॥
ऐसेसमसमधीसभाजनविराजमान नामसेनवरदुल
हिनसीयसारखी ॥ १५ ॥ वानीविधिगौरीहरिसेस
हूंगनेसकहीसहीभरीलोमसभुषुंडिबहुबारिखो ॥चा
रिदसभुवननिहारिनरनारिसवनारदसोपरदाननारद
मोपारिखो ॥ तिन्हकहीजगसोजगमगातिजोरीएक
दूजीकोकहैयाकोसुनैयाचखचारिखो ॥ रमारमारम
नसुजानहनुमानिकहीसीयसीनतीय नपुरुषरामसा
रिखो ॥ १६ ॥ ॥ सवैया ॥ ॥ दूलहश्रीरघुनाथ
वनेदुलहीसियसुंदरमंदिरमांही॥ गावतिगीतसबैमि
लिसुंदरिवेदजुवाजुरिविप्रपढाहीं॥ रामकोरूपनिहा
रतिजानकीकंकनकेनमकीपरछांहीं ॥ यातेंसवैसुधि
भूलिगईकरटेकिरहीपलटारतिनाहीं ॥१७॥, ॥ घ
नाक्षरी॥ ॥भूपमंडलीप्रचंडचंडीसकोदंडखंड्योचंड

बाहुदंडजाकोताहीसोकहतहौं॥ कठिनकुठारधारध
रिवेकीधीरताहिबीरताबिदितताकीदेखिएचहतहौं॥
तुलसीसमाजराजतजि सोबिराजेआजुगाज्योंमृगरा
जगजराजज्यौं ॥ गहतुहौंछोनीमैंनछांड्योंछप्यौ
छोनिपकोछोनाछोटोछोनिपछनवाकोंबिरुदबहतु
हौं॥१८॥ निपटनिडरिबोलेबचनकुठारपानिमानी
त्रासऔनिपनमानौमौनतागही ॥ रोषमांखेलखन
अकनिअनखौंहीबातैंतुलसीबिनीतबानीबिहंसि ऐ
सीकही॥सुजसतिहारेभरेभुवननिभृगुनाथप्रगटप्रता
पआपकह्योसोसबैसही ॥ टूट्योसोनजुरैगोसरासन
महेसजूकोरावरीपिनाकमैंसरीकताकहारही॥१९॥
सवैया॥ ॥गर्भकेअर्भककाटनकोपटुधारकुठारकरा
लहैजाको ॥सोईहौंबूझतराजसभाधनुकैदलिहौंदरि
हौंबलताको॥लघुआननउत्तरदेतबडेलरिहैमरिहैक
रिहैकछुसाको ॥गोरोगरूरगुमानभर्योंकहौकौसिक
छोटोसोढोटोहैकाको ॥ २० ॥ ॥ घनाक्षरी ॥ ॥

मखराखिबेकेकाजराजमेरेसंगदयेदलेजातुधानजेजि
तेआविबुधेसके ॥गौतमकीतीयतारीमेटेअघभूरिभा
रीलोचनअतिथिभएजनकजनेसके ॥चंडबाहुदंडबल
चंडीसकोदंडखंड्योव्याहीजानकी जीतेनरेसदेसदेस
के ॥ सांवरेगोरेसरीरधीरमहावीरदोऊनामरामलछ
मनकुमारकोसलेसके ॥२१॥ ॥सवैया॥ ॥ कालक
रालनृपालनकेधनुभंगसुनेफरसालियेधाये ॥लक्षम
नरामबिलोकीसप्रेममहारिसिहाफिरिआंखिदिखाये
॥धीरसिरोमनिवीरवडेबिनईबिजईरघुनाथसोहाये॥
लायकहीं भृगुनायकसोधनुसायकसौंपिसुभायसि
धाये॥२२॥ ॥इतिबालकांडःसमाप्तः॥ ॥ अथअयो
ध्याकांडप्रारंभः ॥ ॥ सवैया ॥ ॥ कीरकेकागरज्यों
नृपचीरविभूषनउप्पमअंगनिपाई ॥ औधतजीम
गवासकेरूखज्योंपंथकेसाथजोलोगलुगाई ॥ संगसु
बंधुपुनीतप्रियामानोधर्मक्रियाधरिदेहसोहाई ॥ रा
जिवलोचनरामचलेतजिबापकोराजबटाउकिनाई॥

॥२३॥ कागरकीरज्यौंभूषनचीरसरीरलस्यौतजिनी
रज्यौंकाई ॥ मातुपिताप्रियलोगसबैसनमानिसुभा
सयसनेहसगाई॥संगसुभामिनिभाइभलोदिनद्वैज
नुऔधहुंतेपहुनाई ॥ राजिवलोचनरामचलेतजिबा
पकोराजबटाउकीनाई ॥ २४ ॥ ॥ घनाक्षरी ॥
सिथिलसनेहकहैकौंसिलासुमित्रासोंमैंलखीसवति
सखीभगिनीज्यौंसेईहै ॥कहेमोहिमैयाकहौमैंनमैया
भरतकीबलैयालैहौंभैयातेरीमैयाकेकईहै ॥ तुलसी
सरलभायरघुरायमायमानीकायमनबानीहूंनजानी
कीमतेईहै ॥ बामबिधिमेरोसुखसिरीससुमनसमता
कोछलछुरीकोहकुलिसरैटेईहै ॥२५॥ कीजेकहाजी
जीजुसुमित्रापरिपायकहै तुलसीसहावैबिधिसोईस
हियतुहै ॥ रावरेसुभायरामजन्महीतेंजानियतभरत
कीमातुकोकीवोसोचियतुहै ॥जाइराजघरब्याहिआ
ईराजघरमहाराजपूतपायेहूंनसुखलहियतुहै ॥ गेह
सुधागेहतेऊमृगहूमलीनकियोताहूपरबाहुबिनुराहु

गहियतुहै ॥ २६ ॥ ॥ सवैया ॥ ॥जाकेनामअ
जामिलसेखलकोटिअपारनदीभवबूडतकाढे ॥जोंसु
मिरेगिरिमेरुमिलकनहोतअजाखुरबारिधिबाढे ॥ तु
लसीजेहिकेपदपंकजतेप्रगटीतटनीजोहरैअघगाढे ॥
तेप्रभुयासरितातरिवेकहंमांगतनावकारारेह्वैठाढे ॥
॥२७॥ एहिघाटतेंथोरिकदूरिअहैकटिलौंजलथाहदे
खाइहौंजू ॥ परसेपगधूरितैरैतरनीघरनीघरक्यौंसमु
झाइहौंजू॥तुलसीअवलंबनऔरकछुलरिकाकेहिभां
तिजिआइहौंजू॥बरिमारिएमोंहिबिनापगधोइहौंना
थननाऊचढाइहौंजू॥२८॥रावरोदोपनपायनकोपग
धूरिकोभूरिप्रभाउमहाहै॥पाहनतेवनवाहनकाठको
कोमलहैजलखाइरहाहै ॥ पावनपायपखारिकैनाउ
चढाइहौंआयसुहोतकहाहै॥तुलसीसुनिकेवटकेबर
बैननसुहंसप्रभुजानकीओरहहाहै ॥२९॥घनाक्षरी॥
पातभूरिसहारिसकलसुतवारेवारेकेवटकीजातिकछु
बेदनपढाइहौं ॥ सबपरिवारिमेरयाहीलागिराजाजी

हौंदीनबित्तहीनकैसेदूसरीगढाइहौं॥गौतमकीघरनी
ज्यौंतरनीतरैगीमेरीप्रभुसौंनिषादव्हैकै बादनबढाइ
हौं॥तुलसीकेईसरामरावरेसौंसांचीकहौंबिनापगधो
एनाथनाउनचढाइहौं॥३०॥जिनकोपुनीतबारिसिर
सिबहैपुरारित्रिपथगामिनीजसुबेदकहैगाइकै ॥ जि
नकोजोगींद्रमुनिबृंददेवदेहंधरि करतबिबिधिजोगज
पमनलाइकै ॥ तुलसीजिनकीधूरिपरसिअहिल्या
तरीगौतमसिधरेगृहगौनोसोलेवाइकै ॥ तेईपाइपा
इकैचढाईनावधोएबिनुख्वैहौंनपढावनीकेव्हैहौंन
हंसाइकै ॥ ३१ ॥ प्रभुरुखपाइकैबुलाएबालकघ
रनिबंदिकैचरनचहूंसिबैठेघेरिघेरी ॥ छोटोसोकठौ
ता भरिआनिपानीगंगाजूको धोइपाइपियतपुनीत
वारिफेरिफेरि ॥ तुलसीसराहैंताकोभागसानुरागसु
रबरषैसुमनजयजयकरैंटेरिटेरि ॥ बिबुधसनेहसानी
बानीअसयानीसुनि हंसैरावो जानकीलषमनतनहे
रिहेरि ॥ ३२ ॥ ॥ सवैया ॥ ॥ पुरतेंनिकसीर

घुवीरवधूथरिधीरदयेमगमैंडगवैं ॥ उलकीभरि
भालकनीजलकीपटसूखीगएमधुराधरवै ॥ फिरबू
झतिहैचलनोवकितोपियपरनकुटीकरिहौंकितव्है ॥
तियकीलखि आतुरतापियकीअंखियांअतिचारुच
लिजलच्वै ॥ ३३ ॥ जलकोगएलपमनहैंलरिका
परिखौपियछांहथरीकव्हैठाढे ॥ पोंछिपसेउबयारि
करौंअरुपायपखारिहौंभूरिहौंभूभुरिदाढे ॥ तुलसी
रघुवीरप्रियाश्रमजानिकैवैठिबिलंबसोंकंटककाढे ॥
जानकीनाहकोनेहलख्यौंपुलकितनबारिबिलोचन
बाढे ॥३४॥ ठाडेहैंनवद्रुमडारगहेधनुकांधेधरेकरसा
यकलै ॥ विकटीभ्रकुटीबडडीअखियांअनमोलक
पोलनकीछविहै ॥ तुलसीऐसीमूरतिआनुहियेजड
डारुधौंप्राननिछावरकै ॥ श्रमसीकरसांवरिदेहलसै
मानोरासिमहातमतारकमै ॥ ३५ ॥ ॥ घनाक्ष
री ॥ जलजनयनजलजाननजटाहैंसिरजौवनउमंग
अंगउदितउदारहैं ॥ सांवरेगोरेकेवीचभामिनिसुदा

मिनीसिमुनिपटधारेउरफूलनिकेहारहैं ॥ करनिस
रासनसिलीमुखनिषंगकटिअतिहींअनूपकाहूभूपके
कुमारहैं ॥ तुलसीबिलोककैतिलोककेतिलकतीनि
रहेनरनारज्यौंचितेरेचित्रसारहैं ॥ ३६ ॥ आगेसो
हैं सांवरेकुंबरगोरेपाछेकाछेआछेमुनिबेषधरेलाजत
अनंगहैं ॥ बानबिसिखासनबसनबनहींकेकटिकसे
हैंबनाइनीकेराजतनिषंगहैं ॥ साथनिसिनाथमुखी
पाथनाथनंदिनीसीतुलसीबिलोकेचितलाइलेतसंग
हैं ॥ आनंदउमगमनजोबनउमगतनरूपकेउमगतअं
गअंगहैं ॥३७॥ सुंदरबदनसरसीरुहसोहाएनैनमंजु
लप्रसूनमाथेमुकुटजटनिके ॥ असनिसरासनलस
तसुचिसरकरतूनकटिमुनिपटलूटकपटनिके ॥ ना
रिसुकुमारिसंगजाके अंगउबटिकैबिधिबिरचैबरूथ
बिटच्छुच्छटनिके ॥ गोरेकोबरनदेखेसोनोनसलोनो
लागेसांवरेबिलोकेगर्वघटघटनिके ॥ ३८ ॥ बल
कलबसनधनुबानपानितूनकटिरूपकेनिधानघनदा

मिनीवरनहै ॥ तुलसीसुतीयसंगसहजसोहाएअंग
नवलकमलहूतेकोमलचरनहैं ॥ औरसोवसंतऔर
रतिपतिमूरतिविलोकतनमनकेहरनहैं ॥ तापसबेरे
वैंवनाएपथिकपंथेसोहाएचलेलोकलोचननिसुफल
करनहैं ॥ ३९ ॥ ॥ सवैया ॥ ॥ बनितावनी
स्यामलगोरकोवीचविलोकहुरीसखीमोहिसीन्हैं ॥
मगजोगनकोनलक्यौंचलिहैं सकुचातिमहीपदपंक
जछै ॥ तुलसीसुनिग्रामवधूविथकींपुलकींतनऔ
चनच्चे ॥ सवभांतिमनोहरमोहनरूपअनूपहैंभूपके
बालकद्वै ॥ ४० ॥ सांवरेगोरेसलोनेसुभायमनोह
रताजिभैनलियोहैं ॥ बालकमानिषंगकसेसिरसो
हैंजटासुनिवषकियोहै ॥ संगलिएविधुवैनीवधूरति
कोजेहिरंचकरूपदियोहै ॥ पायनतोपनहीनपया
देहिक्यौंचलिहैं ॥ ४१ ॥ रानीमैंजानीअयानीम
हापविपाहिनहूतेकठोरहियोहै ॥ राजहुकाजअका
जनजान्यौंकह्योतियकोजेहिकानकियोहै ॥ ऐसीम

नोहरमूरतिएबिछुरेकैसेप्रीतमलोगजियोहै ॥ ४२॥ आखिनमेंसखिराखिवेजोग इन्हेंकिमिकैबनवासदियोहै ॥ सीमजटाउरबाहुबिसाललोचनलालतिरीच्छीसीभौंहैं ॥ तूनसरासनबानधरेतुलसीबनमारगमेसुठिसोहैं ॥ सादरवारहिवारसुभायचितेतुमस्यौहमरोमनमोहैं ॥ पूंछतिग्रामवधूसियसोंकहोसांवरोसोसखिरावरोकोहैं ॥ ४२ ॥ सुनिसुंदरबानिसुधारससानिसयानिहैजानकीजानिभली ॥ तिरछेकरिनैनदेसैनतिन्हैसमुझाइकछुमुसुकाइचली ॥ तुलसीतिहिऔसरसोहैंसबैअवलोकतिलोचनलाहुअली ॥ अनुरागतडागमेंभानुउदैबिकसीमानोमंजुलकंजकली ॥ ४४॥ धरिधीरकहेंचलुदेखियजाइजहांसजनीरजनीरहिहैं ॥ कहिहैजगपोचनसोकछुफललोचनआपनतौलहिहैं ॥ सुखपाइहैकानसुनेबतियाकलआपुसमेंकछुपैकहिहैं ॥ तुलसीअतिप्रेमलगीपलकेंपुलकीलखिरामहिएमहिहैं ॥ ४५ ॥ पद

कोमलस्यामलगौरकलेवरराजतकोटिमनोजलजए ॥करवानसरासनसीसजटासरसीरुहलोचनसोनसोहाए ॥ जिनदेखेसखीसबभावहुतेतुलसीतिनतौमनफेरिनपाए ॥ एहिमारगआजुकिसोरवधूबिधुबैनिसमेतसुभायसिधाए ॥४६॥ मुखपंकजकंजबिलोचनमंजुमनोजसरासनसीबनिभौंहैं ॥कमनीयकलेवरकोमलस्यामलगौरकिसोरजटासिरसोहैं ॥ तुलसीकटितूनधरेधनुबानअचानकदृष्टिपरीतिरछौहैं ॥ केहिभांतिकहौसजनीतोहिसोंमृदुमूरतिद्वैनिवसीमनमोहैं ॥ ॥४७॥प्रेमसोपिछेतिरीछेप्रियाहिचितैचितुदैचलैचितचोरै ॥ स्यासरीरपसेउलसैहुलसैतुलसीछबिसोमनमोरै ॥ लोचनलोलचलैभृकुटीकलकामकमाननसोतृनतोरै ॥ राजतरामकुरंगकेसंगनिषंगकसेधनुसोसरजोरै ॥४८॥ सरचारिकचारुबनाइकसेकटिपानिसरासनसायकलै ॥वनखेलतरामफिरैंमृगयातुलसीछबिसोबरनैकिमिकै ॥ औलोकिअलौकिकरूपमृ

निसिलीमुखपंचधरैरतिनायकहै ॥ ४९ ॥ बिंधकेबा
सीउदासीतपोव्रतधारीमहाबिनुनरिदुखारे ॥ गौतम
तीयतरीतुलसीसोकथासुनिभेमुनिवृंदसुखारे॔हैहैंसि
लासबचंदमुखीपरसेपदमंजुलकंजतिहारे ॥ कीन्ही
भलीरघुनायकजूकरुनाकरिकाननकोपगधारे॥५०
॥इत्ययोध्याकांडःसमाप्तः॥अथअरण्यकांडप्रारंभः॥
सवैया ॥ पंचवटीबरपरनकुटीतरबैठेहैंरामसुभाय
सोहाए ॥ सौहैंप्रियाप्रियबंधुलसैतुलसीसबअंगघ
नेछबिछाये ॥ देखिमृगामृगनैनिकहेप्रियबैनतेप्री
तमकेमनआए ॥ हेमकुरंगकेसंगसरासनसायकलैर
घुनायकधाए ॥ ५१ ॥ ॥ इत्यरण्यकांडः समा
प्तः ॥ ॥अथकिष्किंधाकांडं ॥ ॥घनाक्षरी॥ ॥
जबअंगदादिनकीमतिगतिमंदभईपवनकेपूतकोनकु
दिवेकोबुलगो ॥ साहसीव्हैसैलपरसहसासिकिलि
आइचितवतचहूंओरऔरनिकोकलुगो ॥ तुलसीर
सातलकोनिकसिसलिलआयोकोलकलमल्यौअहि

कमठकोवकुगो ॥ चारिहूंचरनकेचपेटचापेचिपटि
गोउचकेउचकिचारिअंगुलअचलुगो ॥ ५२ ॥ इ
तिकिष्किंधाकांडःसमाप्तः ॥ अथसुंदरकांडम् ॥ ॥
घनाक्षरी ॥ वासवबरुनबिधिबनतेंसीहावनोदसान
नकोकाननवसंतकोसिंगारसो ॥ समयपुरानेपा
तपरतडरतवातपालतलालतरतिमारकोबिहारसो ॥
देखेवरवापिकातडागबागकोबनावरागबसभोगगी
पवनकुमारसो ॥ सोयकीदसाविलोकिबिटपअसोक
तरतुलसीबिलोकयौंसोतिलोकसोकसारसो ॥ ५३ ॥
मालीमेघमालवनपालविकरालभटनीकेसबकाल
सोंचेसुधासारनीरके ॥ मेघनादतेंदुलारोप्रानतेपिआ
रोवागअतिअनुरागजियजातुधानधीरके ॥ तुलसीसो
जानिसुनिसीयकोदरसपाइपैठोबाटिकाबजाइबलर
घुवीरके ॥ विद्यमानदेखतदसाननकोकाननसोतहस
नहसकियेसाहसीसमीरके ॥ ५४ ॥ वसनबटोरिबोरि
बोरितेलतमीचरखोरिखोरिधाइआइबांधतलंगूरहै

॥ तैसीकपिकौतुकीडेराटतीलेखातकैकैलातकेअघा
तसहैजीमैकहैकूरहै ॥ बालकिलकारीकैकैतारीदैदै
गारीदेतपाछेलागेबाजतनिसानटोलतूरहै ॥ बाल
धीबढनलागीठैरठैरदीन्हिआगीबिंधकीदबारिकै
धौंकोटिसतसूरहैं ॥ ५५ ॥ लाइलाइआगिभा
गेबालजालजहांतहांलघुव्हैनिबुकीगिरिमेंरुतेंबिसा
लभौं ॥ कौतुकीकपीसकूदिकनककंगूराचढ्यौंराव
नभवनचढिठाढौतेहिकालभौं ॥ तुलसीबिराज्यौं
व्योंमबालधीपसारीभारीधेखेहहरातभटकालसोक
रालभौं॥ तेजकोनिधानमांनोकोटिकक्रुसानभानुन
खबिकरालमुखतैसोरिसिलालभौं ॥ ५६ ॥ बाल
धीबिसालबिकरालज्वालजालमानोलंकलीलिवेको
कालरसनापसारीहैं ॥ कैधौंव्योमवीथिकाभरेहैंभूरि
धूमकेतुबीररसबीरतरवारसीउघारीहैं॥तुलसीसुरेस
चापकैधौंदामिनीकलपकैधौंचलीमेहतेक्रुसानुसरि
भारिहैं॥देखैजातुधानजातुधानीअकुलानीकहैकान

नउजारयौअवनगरप्रजारीहै॥५७॥ जहांतहांवुबुकि
विलोकिववकारिदेतजरतनिकेतधावोधावोलागि
आगिरे ॥ कहांतातमातभ्रातभगिनीभामिनीभाभी
ढोटोछोटोछोहराअभागेभोडेआगिरे॥हाथीछोरोघो
राछोरोमहिपवृषभछोरोछोरीछोरोसोवेसीजगावोजा
गिजागिरे ॥ तुलसीविलोकिअकुलानीजातुधानीक
हींवारवारकह्योंपियकपिसोंनलागिरे ॥ ५८॥ देखि
ज्वालजालहाहाकारदसकंधसुनिकाह्योधरोधरोधा
येवीरवलवानहैं ॥ लियेंसूलसेलपासपरिघप्रचंडदं
डभाजनसनीरधीरधरेंधनुवानहैं ॥ तुलसीसमिधसौं
जलंकयज्ञकुंडलखिजातुधानपुंगीफलजवतिलधान
हैं ॥ ववासोलंगूलवलभूलप्रतिकूलहवस्वाहामहा
हांकिहांकिहुनेहनुमानहैं॥ ५९ ॥ गाज्यौकपिगाज
ज्यौंविराजौज्वालजालजुतभाजेवीरधीरअकुलाइउ
ठ्योरावनो ॥ धावोधावोधरोसुनिधाएजातुधानधरि
वारिधाराउलदैजलदज्यौंनसावनो ॥लपटझपटझह

शनेहहरानेबातभहरानेभटपर्‍यौप्रबलपरावनो॥ट
कनिटकेलिपोलिसचिवचलेलैटेलिनाथलचलैगो
बसअभनयावनो ॥ ६० ॥ बडोबिकरालवेषदेखि
सुनिसिंहनादउर्‍यौमेघनादसबिखादकहैरावनो ॥
बेगजितो मारुतप्रतापमार्तंडकोटिकालहूंकरालता
बडाईजितोबावनो ॥ तुलसीसयानेंजातुधानेपछि
तानेकहैंजाकोऐसोदूतसोसाहिबअबैआवनो ॥ का
हेकीकुसलरोषेरामबामदेवहूकीबिषमबलीसोंबादि
बेरकोबढावनो ॥ ६१ ॥ पानीपानीपानीसबरानी
अकिलानीकहैंजातहैंपरानीगतजाहैंगजचालिहैं ॥
बसनबिसारेमनिभूषनसंभारतनआननसुखानकहैं
क्यौंहांकोउपालिहैं ॥ तुलसीमंदोवैमींजेहाथधुनि
माथकहैकाहूकानकियोनमेंकेतोकह्योकालिहैबापुरे
बिभीषनपुकारिबारबारकह्योबानरबडिवालाइघने
घरघालिहै ॥६२॥काननउजार्‍योउतोउजार्‍यौनबि
गार्‍यौकछुवानरबिचारोबांधिआनोहटिआरसों ॥

निपटनिडरदेखिकाहूनलख्यौविसेषिदीन्हैनछडा
इकहिकुलकेकुठारसों॥छोटेऔबडेरेमेरेपूतउअनेरेस
वसांपनिसोखेलैमेलैंगरेछुराधारसों ॥तुलसीमंदोवै
रोइरोइकैविगोवैआपुबारबारकह्योमैंपुकारिदाढीजा
रसों ६३ रानीअकुलानीसबडाढतपरानीजांहिसकैंन
विलोकिवेषकेसरीकुमारको॥ मीजिमीजिहाथधुनि
माथदसमाथतियतुलसीतिलोनभयोबाहिरअगार
को॥ सबअसबाबडाढैमैंनकाढेतैंनकाढेजियकीपरी
संभारसहनभंडारको॥ खीझतिमंदोवैसविषाददेखि
मेघनादवयोलुनियतसबयाहिदाढीजारको ६४ राव
नकीरानीजातुधानीविलखानीकहैहाहाकोऊकहैबी
सबाहुदसमाथसों॥ काहेमेघनादकाहेकाहेरेमहोदर
तूधीरजनदेतलाइलेतक्योंनहाथसों॥ काहेअतिका
यकाहेकाहेरेअकंपनअभागेतीयत्यागेभोंडेभागेजात
साथसों॥ तुलसीवढाईबादसालतेविसारबैरयाही
बलबलसोंविरोधरघुनाथसों ॥६५॥ हाटबाटको

टओटअटनअगारपौरखोरिखोरिदौरिदौरिदीन्हीअ
तिआगिहै॥आरतपुकारतसंभारतनकोझकाहूव्याकु
लजहांसोतहांलोकचलेभागिहै ॥बालधीफिरावैबा
बारझहरावैझरैबूंदीयासीलंकपतिलाइपागिहै ॥तुल
सीबिलोकिअकुलानीजातुधानीकहैचित्रहूंकेकपि
सोंनिसाचरनलागिहै६६लागिलागिआगिभागिभा
गिचले जहांतहांधीयकोनमायबापपूतनसंभारहीं॥
छूटेबारबसनउघारेधूमधुंदअंधकहैंबारेबूदेबारिवा
वारवारहीं ॥ हयहिहिनातभागेजातघहरातगजभा
रिभीरटेलिपेलिरौंदिखौंदिडारहीं ॥ नामलैचिलात
बिललातअकुलातअतितातताततौंसियतझौंसियत
झारहीं ॥ ६७ ॥ लपटकरालज्वालजालमालदहूं
दिसिधूमअकुलानेंपहिचानेंकौनकाहिरे ॥ पानीको
ललातबिललातजरेगातजातपरमाइमालजातभ्रात
तूंनिबाहिरे ॥ प्रियानूपराहिनाथनाथतूंपराहिबाप
बापतूंपराहिपूतपूततूंपराहिरे ॥ तुलसीबिलोकि

लोकव्याकुलवेहालकहैलेहिदससीसअबबीसचखु
चाहिरे ॥ ६८ ॥ वीथिकाबजारप्रतिअटनिअगा
रप्रतिपवरिपगारप्रतिवानरविलोकिए ॥ अर्द्धउर्द्ध
वानरविदिसिदिसिवानरहैंमनोरह्योहैभरिवानरति
लोकिए ॥ मूंदेआंखिहिएमेंउघारेआंखिआगेठाढो
धाइजाइजहांतहांऔरकोऊकोकिए ॥ लेहुअबलेहु
तबकोऊनसिखावोमानौसोइसतराइजाइजाहिरो
किए ॥ ६९ ॥ एककरैधौंजएककहैकाढोसौंजएक
औंजिपानीपकिकैहवैनतनतनआवनो ॥ एकपरे
गाढेएककाढतहिंकाढेएकदेखतहैठाढेकहपावैकभ
यावनो ॥ तुलसीकहतएकनीकेहातलाएकपिअज
हूंनछांडैबालगालकोकोबजावनो ॥ धावरेबुझावरे
किपावरेजिआवरेओरे आगिलागिनबुझावौसिंधुसा
वनो ॥ ७० ॥ कोपिदसकंधतबप्रलयपयोदबोले
रावनरजाइधाइआएजूथजोरिकै ॥ कह्योलंकपतिलं
कवरतबुतावौवेगिवानरबहाइमारौमाहबारिबोरि-

क ॥ भलेनाथनाइमाथचलेपाथप्रदनाथबरषैंमुसल
धारबारबारघोरिकै ॥ जीवनतेजागीआगीचपरिचौ
गुनीलागी तुलसीभरिभरिमेघभागेमुखमोरिकै ॥
॥ ७१ ॥ इहांज्वालजरेजातव्हांगलानिगरेगातसू
खेसकुचातसबकहतपुकारहैं ॥ जुगषटभानुदेखेप्र
लयकृसानुदेखे सेषमुखअनलबिलोकेबारबारहैं ॥
तुलसीसुन्योनकानसलिलसर्पीसमानअतिअतिरज
किएकेसरीकुमारहैं ॥ बारिदवचनसुनिधुनेसीसस
चिवह्लकहे दससीसईसबामताविकारहैं ॥ ७२ ॥
पावकपवनपानीमांतुहिमवानजमकाललोकपाल
मेंरेडरडावाडोलहैं ॥ साहिबमहेससदांसंकितरमेस
मोहिमहातपसाहसबिरंचिलिएमोलहैं ॥ तुलसी
तिलोकआजदूजोनविराजैराजबाजैबाजैराजनिकेब
टीबेटाओलहैं ॥ कोहैंईसनामबामबामहोतमोन्हा
सनमालवानरावरेकेबावरेसेबोलहैं ॥ ७३ ॥ भूमि
भूमिपालव्यालपालकपतालनाकपाल लोकपाल

जेतेसुभटसमाजहैं ॥ कहैंमालवानजातुधानपति
रावरेकोमनहुअकाजआनैऐसोकोनआजहैं ॥रामको
हपावकसमीरसीस्वासकीसईसवामताबिलोकुबान
रकेव्याजहैं ॥ जारतपचारिफेरिफेरिसोनिसंघकलंक
जहांवाकोवीरेतोसोसूरसिरताजहैं ॥७४॥ पानपक
वानविधिनानाकेसंधानोसीधो बिबिधबिधानधान
वरतवरवारहीं॥ कनककिरीटकोटिपलंगपेटारेपीट
काढतकहारसबजरेभारभारहीं ॥ प्रबलपावकबाढे
जहंकाढेतहंदाढेझपटलपटभरेभवनभंडारहीं ॥ तु
लसीअगारनपगारनबजारवचोहाथीहाथसारजरेघो
रेघोरसारहीं ॥७५॥ हाटबाटहाटकपघिलचलो
घीसोघनोकनककराहीलंककतलफततायसों ॥ नाना
पकवानजातुधानबलवानसबपागिपागिदेरिकीन्ही
भलीभांतिआयसों ॥ पाहुनेकृसानुपवमानसोपरो
सोहनुमानसनमानिकैजेवांएचितचायसों ॥ तुलसी
निहारिअरिनारिदैदैगारिकहैंबांवरेसुरारिबैरकीन्हेरा

मरयसों ॥ ७६ ॥ रावनसोराजरोगबाढतबिराट
उरदिनदिनबिकलसकलसुखरांकसो ॥ नानाउप
चारकरिहारेसुरसिद्धिमुनिहोतनबिसोकओतपावैन
मनाकसो ॥ रामकीरजाइतेरसाइनीसमीरसूनिउत
रिपयोधिपरसोधिसरवांकसो ॥ जातुधानवुटपुटपा
कजातरूप रतनजतनजारिकियोहैम्रृगांकसो॥७७॥
जारिवारिकैविधूमवारिधिबताइलूमनाइमाथोपग
निमोठाढोकरजोरिकै ॥ मातुकृपाकीजैसहिदानदी
जैसुनिसीयदीन्हीहैअसीसचारुचूडामनिछोरिकै ॥
कहांकहौंतातदेखेजातज्यौंबिहातदिनबडीअवलंब
हीसोचलेतुमतोरिकै ॥ तुलसीसनीरनैननेहसोसि
थिलबैनबिकलबिलोकिकपिकहतनिहोरिकै॥७८॥
दिवसछसातजातजानबेनमातुधरिधीरअरिअंतकी
अवधीरहीथोरिकै॥ वारिधिबंधाइसेतुऐहैभानुकुल
केतसांनुजकुसलकपिकटकबटोरिकै ॥ बचनबिनी
तकहिसीताकोप्रबोधकरितुलसीत्रिकूटचढिकहतड

फोरिकै ॥ जैजैजानकीसदससीसकरिकेससीकपीस कूटच्योवातजातवारिधिहलोरिकै ॥ ७९ ॥ सास सीसमारिसून नीरनिधिलंघिलखिलंकसिद्धपीठसि नागोहैमसानसो ॥ तुलसीबिलोकिमहासाहसप्रस न्नभईदेवीसीयसारिखिदियोहैवरदानसो ॥ बाटि काउजारिअछधारिमारिजारिगढभानुकुलभानुकोप्र तापभानुभानुसो ॥ करतबिसोकलोककोकनदको ककपिहैजामवंतआयेआयोहनुमानसो ॥ ८० ॥ गगननिहारिकिलकारिमारिसुनिहनुमानपहिचानि भएसानंदसचैतहैं ॥ बूडतजहाजबाच्योंपथिकसमा जमानोआजुजाएजानिसवअंकमालदेतहैं ॥ जैजै जानकीसजैजैलखनकपीसकहिकूदै कपिकौतुकीन टतरेतरेतहैं ॥ अंगदमयंदनलनीलवलसीलमहाबा लधीफिरावैमुखनानागतिलेतहै ॥ ८१ ॥ आयेहनु मानप्रानहेतुअंकमालदेतलेतपगधूरिएकचुंवतलंगूर हैं ॥ एकवुझैवारवारसीयसमाचारकहो पवनकुमा

रभोबिगतश्रमसूलहैं ॥ एकमुखेजानिआगेआनिकं
दमूलफलएककूजैबाहुबलमूरतोरिफूलहैं ॥ एकक
हैंतुलसीसकलसिद्धिताकेजाकेकृपापाथनाथसीता
नाथसानकूलहैं ॥ ८२ ॥ सीयकोसनेहसीलकथा
तथालंककहैचलेजातचायसोसिरानेपथछनमें ॥ क
ह्यौजुवराजबोलिबानरसमाजआजुखाहुफलसुनिप
लिपैठेमधुबनमें ॥ मारेबागबानतेपुकारतदिवानगे
उजारेबागअंगदादिखाएघायतनमें ॥ कहैकपिराज
करिआएकीसकाजमहाराजकीसपथमहामोदमेरेम
नमें ॥ ८३ ॥ नगरकुवरकोसुमरकीबराबरी बि
रंचिबुद्धिकोबिलासलंकनिर्मानभो ॥ ईसहिचढा
एसीसबीसबाहुबीरतहां रावनसोराजाराजतेजको
निधानभो ॥ तुलसीबिलोककीसमृद्धिसौंजसंप
दासकेलिचाकिराखीरासिजागरजहानभो ॥ तीस
रेउपासबनबाससिंधुपाससीसमाजमहाराजजीकोए
कदिनदानभो ॥ ८४ ॥ ॥ इतिसुंदरकांडःसमा

मः॥ ॥ अथ लंकाकांडप्रारंभः॥ ॥ घनाक्षरी ॥वडे
विकरालभालुवानरबिसालवडेतुलसीबडेपहारलैप
योधितोपिहैं ॥ प्रवलप्रचंडवलबंडबाहुदंडखंडखंडि
मंडिमेदनीकोमंडलीकलीकलापिहैं॥लंकदाहदेखेन
उछाहरह्योकाहूकोकहतसवसचिवपुकारिपावरोपि
हैं ॥ वांचिहैंनपाछेतिपुरारिहूमुरारिहूकेकोहैरनरारि
कोजोकौशलेसकोपिहैं॥८५॥ त्रिजटाकहतिबारबा
र तुलसीखरीसीराघेबानएकहीसमुद्रसातोसोसो
खिहै ॥ सकुलसंघारिजातुधानधारिजंबुकादिजोगि
नजिमातिकालिकाकलापतोखिहै ॥ राजदैनिवाजि
वोवजाइकेविभीषनकोवजैगेव्योमबाजनेविबुधप्रे
मपोपिहैं॥कौनदसकंधकौनमेघनादबापुरोकोकुंभक
र्णकीटजवरामरनरोपिहै ॥ ८६ ॥ विनयसनेहसा
कहतिसियत्रिजटासोपाएकछुसमाचारआरजुसुवन
के ॥ पायेजूवंधाएसेतुआयेउतरेभानुकुलकेतुआ
येदेखिदेखिदूतदारुनदुअनके ॥ वदनमलिनबल

हीनदीनदेखिमानोमिटेघटेतमीचरतिमिरभुवनके।
लोकपतिसोकसोकमूंदेकपिकोकनददंडद्वैरहेहैरघु
आदितउवनके ॥ ८७ ॥ झूल ० ॥ सुभुजमारी
चखरित्रिसिरदूषनबालीबधतजेहिदूसरोसरनसा
ध्यो ॥ आनिपरभामबिधिबामतेहिरामसोसकतसं
ग्रामदसकंधकांध्यो ॥ समुझितुलसकपिकपिकर्मघ
रघरघैरुबिकलसुनिसकलपाथोधिबांध्यो ॥ बसतग
ढवंकलंकेसनायकअछतलंकनहीखातकोउभातरां
ध्यो ॥ ८८ ॥ सवैया॥ विश्वजयीभृगुनायकसेबिनु
हाथभएहनिहाथअजारी॥बातुलमातुलकीनसुनी
सिखकातुलसीकपिलंकनजारी॥अजहूंतेभलोरघुना
थमिलोफिरिबूझिहैकोगजकौनगजारी॥कीर्तिबडीक
रतूतिबडीजनवातबडीसोबडीइबजारी ॥८९॥ जब
पाहनभवनबाहनसेउतरेवनराजैजैरामरढे ॥ तुलसी
लिएसैलिलासबसोहतसागरज्यौंबलबारिबढे॥करि
कोपकैरघुवीरकीआयसुकौतुकहींगढकूदिचढे ॥च

तुरंगचमूपलमेंदलिकैरनरावनराडकोहाडगढे ॥९०
घनाक्षरी ॥ ॥ बिपुलविसालविकरालकपिभालु
मानौकालवहुवेखधरेधाएकिएकरखा ॥ लिएसिला
सैलतोरितालऔतमालतोरितोपैंतोयनिधिसुरकोस
माजहरखा ॥ गडेदिगकुंजरकमठकोलकलमलेडोलै
धराधरधरखा ॥ तुलसीतमकिचलैंराघोकीसपथकरैं
कोकरैअटककपिकटकअमरखा ॥ ९१ ॥ आयेसुक
सारनवोलाएतेकहनलागेपुलकिसरीरसैनाकरतफह
मही ॥ महावलीवानरविसालभालुकालसेकरालहैं
रहेकहांसमाहिगेकहांमही॥हस्यौदसकंधरघुनाथको
प्रतापसुनितुलसीदुरावैमुखसुखतसहमही ॥ रामके
विरोधवुरोविधिहरिहरहूकोसवकोभलोहैराजाराम
केरहमही॥९२॥आयौआयौआयौसोइवानरवहोरि
भयोसोरचहूंओरलंकआयेजुवराजके॥एककाढेसौंज
एकधौंजकरैकहाव्हैहैंपोचभईमहासोचसुभटसमाज
के ॥ गाज्यौकपिराजरघुराजकीसपथकरिमूंदेकान

जातुधानमानोगाजेगाजके ॥ सहमिसुखातबातजा
तकीसुरतिकरिलवाज्यौंलुकाततुलसीझपेटेबाजके॥
॥ ९३ ॥ दूखनबिराधखरत्रिसिराकबंधबंधेतालऊ
करालबेधेकौतुकहैकालिको ॥ एकहीबिसिखबसभ
येवीरबांकुरेसोतोहूहैबिदितबलमहाबलीवालिको॥
तुलसीकहतहितमानतन नेकुसंकमेरोकहाजैहैफल
पैहोतुकुचालिको ॥ वीरकरिकेसरीकुठारपानिमानि
हारितेरीकहाचलीबूटेतोसोगनेवालिको ॥ ९४ ॥
॥ सवैया ॥ ॥ तोसोंकहोंदसकंधररेरघुनाथविरोध
नकीजिएबौरे ॥ बलिबलीखरदूखनऔरअनेकगिरे
जेतेमीतेमेदौरे ॥ एसीन्यहालभईतोहिकोनतोलैमि
लुसीयचहैसुखजौरे ॥ रामकेरोखनराखिसकैंतुल
सीबिधिश्रीपतिसंकरसौरे ॥ ९५ ॥ तूंरजनीचरना
थमहारघुनाथकेसेवककोजनहोहौं ॥ बलवानहैस्वा
नगलीअपनीतोहिलाजनगालबजावतसोहौं ॥बीस
भुजादससीसहरौंनडरौंप्रभुआयसुभंगतेजोहौं॥खेतें

मखेहरिज्योंगजराजदलौं दलवालिकोबालकतोहौं ॥ १६ ॥ कौसलराजकेकाजहौंआजुत्रिकूटउपारिलै वारिधिवोरौं ॥ महाभुजदंडद्वैअंडकटाहचपेटके चोटचटाकदैफोरौं ॥ आयसुभंगतेजौनडरौंसबमी जिसभासदश्रोणितखोरौं ॥ वालिकोवालकतौतुल सीदसहूंसुखकेरनमेंरदतोरौं ॥ १७ ॥ अतिकोपसो रोप्योहैपांउसभासवलंकससंकितसोरमचा ॥ तम केघननादसेवीरप्रचारिकैहारिनिसाचरसैनपचा ॥ न टरैपगमेरुहितेगरुओसोमनोमहिसंगविरंचिरचा ॥ तुलसीसबसूरसरहातहैजगमेंवलसालिहैबालिबचा ॥ १८ ॥ ॥ घनाक्षरी ॥ ॥ रोप्योपाउपैजकेबिचा रिरघुवीरवललागेभटसिमिटिननेकुटसतुहै ॥ तजि धीरधरनीधरनिधरअसकतधराधरधीरभारसहनसक तुहै ॥ महावलीवालिकोदवतदलकतभूमितुलसीउ छलिसिंधुमेरुमसकतहै ॥ कमठकठिनपीठघंटापरो मंदरकोसोईआयोकामपैकरेजोकसकतुहै ॥ १९ ॥

॥ झूलना ॥ ॥ कनकगिरिसृंगचढिदेखिमर्कटक
टकबदतिमंदोदरीपरमभीता ॥ सहसभुजमत्तगजरा
जनरकेसरी परसुधरगर्बजेहिदेखिबीता ॥ दासतुल
सीसमरसबलकौसलधनोख्यालहींबालिबलसालि
जीता ॥ रेकंततृनदंतगहिसरनश्रीरामकहिअजहूंए
हिभांतिलैसौंपुसीता ॥ १०० ॥ रेनीचमारीचबि
चलाइहतिताडिकाभंजिसिवचापसुखसबहिदीन्ह्यौ
॥ सहसदसचारिखलसहितखरदूखनहिपठैजमधा
ममोतैतऊनचीन्ह्यौ ॥ मैंजोकहौंकंतसुनुमंतभगवंत
सोबिमुखव्हैबालिफलकौनलीन्ह्यौ ॥बीसभुजसीस
दसखीसगयेतबहिजबईसकेईससोंबैरकीन्ह्यौ ॥ १॥
बालिदलिकालिजलजानपषानकियेकंतभगवंततौ
तुमनचीन्हे॥ बिपुलबिकरालभटभालकपिकालसे
संगतरुतुंगगिरिसृंगलीन्हे ॥आइगेकौसलाधीसतुल
सीसजेहिछत्रममासिमौंनिदसदूरिकीन्हे ॥ ईसकब
सीसजनिरवीसकरुईससुनुअजहुकुलकुसलबैदेहिदी

न्हे ॥२॥जाकेसैनसमूहकपिकोनगनैअर्बुदैमहाबलि
वीरहनुमानजानी॥ भूलिहैंदसदिसासीसपुनिडोलि
हैंकोपिरघुनाथजवबानतानी॥बालिहूंगर्बजियमांह
ऐसीकियामारिदहपट्टकीयेजमकीधानी ॥ कहतिमं
दोदरीसुनहिरावनमतोवेगिलैदेहिबैदेहिरानी॥३॥ग
हनउजारिपुरजारिसुतमारितबकुसलगौकीसबरैबीर
जाको ॥ दूसरोदूतपनसेपिकोप्यौसभाखर्बकियोस
र्वकोगर्वथाको ॥ दासतुलसीसभयबदतिमयनंदिनी
मंदमतिकंतसुनुमंतह्याको ॥ तौलौंमिलुबेगिनहिजौ
लौंरनरोपमयोदासरथिबीरबीरुदैतबांको ॥ ४॥घना
क्षरी ॥ काननउजारिअच्छमारिधारिधूरिकीन्हींनग
रभजास्योसोबिलोकयौबलकीसको ॥ तुह्मैविद्य
मानजातुधानमंडलीमेंकपिकोपिरोप्योपाउसोप्रभा
उतुलसीसको ॥ कंतसुनुमंतकुलअंतकियेअंतहानि
यतोकीजैहिएतेभरोसोभुजबीसको ॥ तोलौंमिलुबे
गिजौलौंचापनचढायोरामरोपिबानकाढ्यौनलदैआ

दससीसको ॥ ५ ॥ पबनकोपूतदेख्यौदूतबीरबांकु
रोजोबंकगढलंकसो ढकाढकेलिढाहिगो ॥ बालि
बलसालिकोसोकालिदापदलिकोपीरोप्योपाउचप
रिचमूकोचाउचाहिगो ॥ सोइरघुनाथकपिसाथपा
थनाथबांधिआयोनाथभागेतेखिरिरखेहरवाहिगो ॥
तुलसीगरबतजि मिलिबेकोसाजसजिदेहिसियनतो
पियपायमालजाहिगो ॥ ६ ॥ उदधिअपाउतर
तहूंनलागीबारकेसरीकुमारसोअदंडकैसोडांडिगो ॥
बाटिकाउजारिअच्छरच्छकनिमारिभटभारिंमारिरा
वरेकोचाउरसोकांडिगो ॥ तुलसीतिहारेबिद्यमा
नजुबराजआजुकोपिपांउरोप्यौसबछूछेकैछांडिगो॥
कहेकीनलाजपियआजहूंनआवेबाजसहितसमाजग
ढरांडकैसोभांडिगो ॥ ७ ॥ जाकेरोखदुसहत्रि
दोखदाह दूरिकीसन्हेपैअतनछत्रीखोजखोजतखल
कमें ॥ महिखमतीकोनाहुसाहसीसहसबाहुसमर
समर्थनाथहेरियेहलकमें ॥ सहितसमाजमहाराज

सोजहांजराजबूडिगयेजाकेबलबारिधिछलकमें ॥ टूटतपिनाककेमनाकबामरामसेतेनाकबिनुभयेभृगु नायकपलकमें ॥ ८ ॥ कीह्नीछोनीछत्रीबिनुछोनि पछपनहारकठिनकुठारपानिबीरबानजानिकै ॥ परमकृपालजोनृपाललोकपालनपैजबधनुहाईह्वैहैम नअनुमानिकै ॥ नाकमेंपिनाकमिसिबामताबिलोकीरामरोक्योपरलोकलोकभारिभ्रममानिकै ॥ नाइदसमाथमहिजोरिबीसहाथ पियमिलियेपैनाथरघुनाथपहिचानिकै ॥ ९ ॥ कह्योमतमातुलबिभीषनहूबारबारअंचलपसारीपियपायलैलैहौंपरी ॥ बिदितबिदेहपुरनाथभृगुनाथगति समयसयानीकीह्नीजैसीआइगौंपरी ॥ बयसबिराधखरदूखनकबंधबालिबैररघुबीरकेनपूरीकाहूकोपरी ॥ कंतबीसलोचनबिलोकिएकुमंतफलख्याललंकलाईकपिरांडकीसीझोंपरी ॥ १० ॥ ॥ सवैया ॥ ॥ रामसोसामकिएनितहैहितकोमलकाजनकीजियठाढे ॥ आपनीसू

झिकहौंपियबूझियेजूझिबेजेगनठाहरुनाढे ॥ नाथ
सुनोभृगुनाथकथाबलिबालिगयेचलिबातकेसाढे ॥
भाइबिभीषनजाइमिल्यौ प्रभुआइपरेसुनिसाथरका
ढे ॥ ११ ॥ पालिबेकोकपिभालुचमूजमकालकरा
लहुकोपहरीहे ॥ लंकसेबंकमहागढदुर्गमढाहिबेदा
हिबेकोकहरीहै ॥ तीतरतोमतमीचरसैनसमीरको
सूनबडोबहरीहै ॥ नाथभलोरघुनाथमिलोरजनीच
रसैनहएहहरीहे ॥ १२ ॥ ॥ घनाक्षरी ॥ ॥ रो
खेरनरावनबोलाएवीरबनाइतजानतजेरीतिसबसंयु
गसमाजकी ॥ चलीचतुरंगचमूचपरीहुनेनिसानसे
नासराहनजोगरातिचरराजकी ॥ तुलसीबिलोकिक
पिभालुकिलकतललकतलखि ज्यौंकंगालपातरीसु
नाजकी ॥ राममुखनिरखिहरख्यौहिएहनुमानमा
नोखेलकरखोलीसीसताजबाजकी ॥ १३ ॥ साजि
कैसनाहगजगाहसेउछाहदलमहाबलीधाएबीरजातु
धानधीरके ॥ इहांभालुबंदरबिसालमेरुमंदरसे लि

एसैलसालतोरिनीरनिधितीरके ॥ तुलसीतमकित
किभिरेभारीयुद्धक्रुद्धसेनपसराये निजनिजभटभीर
के ॥ रुंडनकेझुंडझूमिझूमिझुकरिसेनाचैसमरसुमार
सूरमारेरघुवीरके ॥ १४ ॥ ॥ सवैया ॥ ॥ तीखे
तुरंगकुरंगसुरंगनिसाजिचढेछटिछैलछबीले ॥ भा
रीगुमानजिह्लैमनमेकबहूंनभएरनमेतनढीले ॥ तुल
सीलखिकेहरिकेहरिकेझपटेपटकेससूरसलीले ॥ भू
मिपरेभटघूमिकराहतहांकिहनेहनुमानहठीले॥१५
सूरसंयोगवलसाजिसुवाजिसुसेलधरेवगमेलचलेहैं
भारिभुजाभरिभारिसरीरवलीबिजईसबभांतिभलेहैं
॥ तुलसीजिह्लैधाइधुकेधरनीधरनीधरधोरधकानह
लेहैं ॥तेरनतिच्छनलच्छनलाखनदानिज्यौंदारिद
दाविदलेहैं ॥ १६ ॥ गहिमंदरबंदरभालुचलेसोम
नोउवएघनसावनके ॥ तुलसीउतझुंडप्रचंडझुकेझप
टेभटजेसुरदावनके ॥ विरुझेबिरुदैतजेखेतअरेनटरे
हटिवैरवढावनके ॥ रनमारमचीउपरीउपराभलेबी

ररघुपतिरावनके ॥ १७ ॥ सरतोमरसेल्लसमूहपबा
रतमारतबीरनिसाचरके ॥ इततेतरुमालतमालच
लेखररवंडप्रचंडमहीधरके ॥ तुलसीकरिकेहरिनाद
भिरेभटखग्गखगेखपुआखरके ॥ नखदंतनसोभुज
दंडविहंडतमुंडसोमुंडपरेझरके ॥ १८ ॥ रजनीचर
मत्तगजदंतघटाबिघटैमृगराजकेसाजलरै ॥ झपटै
भटकोटिमहीपटकैगरजैरघुबीरकीसौंहकरै ॥ तुल
सीउतहांकदसाननदेतअचेतभेबीरकोधीरधरै ॥ बि
रझोरनामारुतकोबिरुदैतजोकालहूकालसो बूझिपरै
॥ १९ ॥ जेरजनीचरबीरबिसालकरालबिलोकत
कालनखाये ॥ तेरनरोरकपीसकिसोरबडेबरजोरप
रेफंगपाये ॥ लूमलपेटिअकासनहारिकैहांकिहटीह
नुमानचलाये ॥ सूखिगेगातचलेनभजातपरेभ्रमबा
बातनभूतलआये ॥ २० ॥ जोदससीसमहीधरई
सकोबीसभुजाखुलिखेलनिहारो ॥ लोकपादिग्गज
दानवदेवसबैसहमेसुनिसाहसभारो ॥ बीरबडोबीर

दैतवलीअजहूंजगगावतजासुपवांरो ॥ सोहनुमान हन्योमुठिका गिरिगोगिरिराजज्यौं गाजकोमारो ॥ ॥२१ ॥ दुर्गमदुर्गपहारतेभारेप्रचंडमहाभुजदंडबने हैं ॥ लख्यमेपख्यरतिख्यनतेजसेसूरसमाजमेंगाज गनेहैं ॥ तेविरुदैतबलीरनबांकुरेहांकिहठीहनुमान हनेहैं ॥ नामलैरामदेखावतवंधुकोघूमतघायलघाय घनेहैं ॥ २२ ॥ ॥ घनाक्षरी ॥ ॥ हाथिनसो हाथीमारेघोरेघोरेसोरथबिदरनबलवानकी ॥ चंच लचपेटचोटचरनचकोटचाहे हहरानीफौजैं भह रानीजातुधानकी ॥ वारवारसेवकसराहनाकरतरा मतुलसीसराहैंरीतिसाहेबसुजानकी ॥ लांबीलूमल सतलपेटिपटकतभटदेखोदेखोलखनलरनहनुमान की ॥ २३ ॥वदकिदबोरेएककारिधिमेबोरेएकमगन महीमेंएकगगनमेंउडातहैं ॥ पकरीपछारेइकचरन उखारेएकचीरिफारिडारेएकमीजिमारेलातहै ॥ तु लसीलखनरामरावनविवुधविधि कृपानिधि चंडी

पतिचंडिकासिहातहै ॥ बडेबडेबानइतबीरबलवा
नबडे जातुधानजूथपतिपातेबातजातहै ॥ २४ ॥
प्रबलप्रचंडबरिबंडबाहुदंडबरिधायेजातुधानहनुमा
नलियोघेरिकै ॥ महाभुजदंडकुंजरारिज्यौंगरजिभ
टजहांतहांपटकेलंगूरफेरिफेरिकै ॥ मारेलाततो
रेगातभागेजातहाहाखातकहैतुलसीसराखिरामकी
सोंटेरिकै ॥ ठहरठहरपरेकहरकहरउठेहहरहहरहर
सिद्धहंसेहेरिकै ॥ २५ ॥ जाकीबांकीबीरतासुनत
सहमतसूरजाकीआंचअजहूंलसतलंकलाहसी॥ सो
इहनुमानबलवानबाकोबानइतजोहैं जातुधानसेना
चलेलेतथाहसी ॥ कंपतअकंपनसुखायअतिकाय
कायकुंभउकरनआइरह्योपाइआहसी ॥ देखेगजरा
जमृगराजज्यौं गरजिधायोबीररघुबीरकोसमोरसूष
साहसी ॥ २६ ॥ ॥ झूलना ॥ ॥ मत्तमुकुटदस
कंठसाहससैलस्रृंगबिदरनजनुवज्रटांकी ॥ दसनधरि
धरनिचिक्करतदिग्गजकमठसेससंकुचितसंकितपिना

की ॥ चलतमहिमेरुउच्छलतसायरसकलबिकल
धिवधिरदिसिविदिसिझांकी ॥ रजनीचरघरनिघर
र्भअर्भकश्रवतसुनतहनुमानकीहांकबांकी ॥ २७
कौनकीहांकपरचौंकिचंडीसबिधिचंडकरथकित
रितुरंगहांके ॥ कौनकेतेजतुलसीमभटभीमसेभी
तानिरखिकरिनयनढांके ॥ दासतुलसीसकेबिरद
रनताविदुपवीरबिरुदैतवरवैरिधांके ॥ नाकनरलो
पतालकोउकहतकिनकहांहनुमानसेबीरबांके ॥
॥२८॥ जातुधानावलीमत्तकुंजरघटानिरखि गज
जमानोगिरितेढ्रूव्यौ ॥ विकटचटकचोटचरनगहि
टकीमहिनघटिगयेसुभटसतसबकोछूव्यौ ॥ दास
लसीपरतधरनिधरकतझूकतहाटसीउठतजंबुकनि
व्यौ ॥ धीररघुवीरकेबीररनबांकुरेहांकिहनुमान
लिकटककूव्यौ ॥ २९ ॥ छप्पै ॥ ॥ कतहुंबि
पभूधरउपारिअरिसैनबरषत ॥ कतहुंवाजिसोवा
मर्दिगजराजकरषत ॥ चनरचोटचटकनचकोटअ

उरसिरवज्जत ॥ बिकटकटकैबिदरतबीरवारिदजिमि
गर्जत ॥ लंगूरलपेटतपटकिमहिजयतिरामजयउच्च
रत ॥ तुलसीसपवननंदनअटलजुद्धक्रुद्धकौतुककर
त ॥ ३० ॥ ॥ घनाक्षरी ॥ ॥ अंगअंगदलितल
लितभूलेकिंसुकसेहनेभटलाखनलखनजातुधानके
॥ मारिकैपच्छारिकैंउपारिभुजदंडचंडखंडखंडडारेते
बिदारेहनुमानके ॥ कूदतकबंधकेकदंबबंबसीकरत
धावतदेखावतहैलघौराघौबानके ॥ तुलसीमहेसबि
धिलोकपालदेवगनदेखतबेवानचढैकौतुकमसानके
॥ ३१ ॥ लोथिनसोलोहूकेप्रवाहचलेजहांतहांमा
नहुंगिरिन्हगेरुझरनझरतुहै ॥ श्रोनितसरितघोरकुं
जरकरारेभारेकूलतेसमूलवाजिविटपपरतहैं ॥सुभट
सरीरनीरचारीभारिमारितहं सूरनउच्छाह कूरकादर
डरतहैं ॥फेकरिफेकरिफेरुफारिफारिपेटखातकाकक
कबालककोलाहलकरतहैं ॥ ३२ ॥ ओझरीयझोरी
कांधे आंतनकीसेल्हीबांधेमुंडके कमंडलखप्परकिये

कोरिकै ॥ जोगिनीजमातजोरिझुंडबनीतापसेनीरती
रवेठीसोसमरखोरिकै ॥ श्रोनितसोसानिसानिगूदा
खातसतुआसेएकप्रेतपियतबहोरिघोरिकै ॥ तुलसी
वैतालभूतसाथलियेभूतनाथहेरिहेरिहंसतहैंहाथहा
थजोरिकै ॥ २३ ॥ ॥ सवैया ॥ ॥ रामसरासनते
चलेतीररहेनसरीरहडावरिफूटी ॥ रावनधीरनपीर
गनीलखिलैकरखप्परजोगिनिजूटी ॥ श्रोनितछीट
छटानिछुटीतुलसीप्रभुसौहैमहाछविछूटी ॥ मानौ
मरक्तसैलविलासमैंफलिचलीबरबीरबहूटी ॥२४
॥ घनाक्षरी ॥ ॥ मानीमेघनादसौंप्रचारिभिरेभारि
भटआपनेआपनेपुरुषारथनटीलकी ॥ घायललख
नलालमुनिबिलखाने रामभईआससिथिलजगन्नि
वासडीलकी ॥ माइकोनमोहछोहसीयकोनतुलसी
सकहैमैबिभीषनकीकछुनसवीलकी ॥ लाजबांह
बोलकीनेवाजेकीसभारसारसाहेबनरामसेवलाइले
उमीलकी ॥ २५ ॥ ॥ सवैया ॥ ॥ काननबास

सानननसोरिपुआनश्रीससिजीतिलियोहैं ॥ बालि
हाबलसालिदल्यौ कपिपालिबिभीपनभूपकियो
ं ॥ तीयहरीरनबंधुपन्यौपैभन्यौसरनागतसोचहि
ोहै ॥ बांहपगारकृपालउदारकहांरघुबीरसोबीर
हेयोहै ॥ २६ ॥ लीन्हउखारि पहारबिसारचल्यौ
हिंकालविलंबनलायो ॥ मारुतनंदनमारुतकोम
कोखगराजकोबेगलजायो ॥ तीखितुरातुलसीकह
ोपैहियेउपमाकोसमाउनआयो ॥ मानोप्रतच्छपर
तकीनभलीकलसीकपियौंधुकिधायो ॥२७॥ ॥घ
ाक्षरी ॥ ॥ चल्यौहनुमानसुनिजातुधानकालनेमि
ठयोसोमुनिभयोपायोफलछलिकै ॥ सहसाउखा
ोहैपहारबहुजोजनकोरखवारेमारेभारेभूरिभटदलि
कै ॥ वेगबलसाहससराहतकृपालरामभरतकीकुस
लअचलल्यायोचलिकै ॥ हाथहरिनाथकेबिकानेर
घुनाथजनुसील सिंधुतुलसीसभलोमानोभलिकै
॥ २८ ॥ बापदियोकाननमोआननसुभाननसोबै

रीभोदसाननसोतीयकोहरनभो ॥ घोररारिहेरित्रिपुरा
रि विधिहारेरहियेघायलल्खनबीरबानरबरनभो ॥ बा
लिवलसालिदलिपालिकपिराजकैबिभीषननेवाजि
सेतसागरतरनभो ॥ ऐसेसोकमैतिलोककैसोकप
ल्हीमेसवहीकेतुलसीकेसाहेबसरनभो ॥ ३९ ॥
॥ सवैया ॥ ॥ कुंभकरनहन्यौरनरामदल्यौदस
कंधरकंधरतोरे ॥ पूषनवंसबिभूषनपूषनतेजप्रताप
गरेअरिओरे ॥ देवनिसानबजावतगावतगोमनभा
वतभोरे ॥ नाचतबानरभालुसवैतुलसीकहिहारेह
हाभैयहोरे ॥ ४० ॥ ॥ घनाक्षरी ॥ ॥ मारेर
नरातिचररावनसकुलदलअनुकूलदेवमुनिफूलवरष
तुहै ॥ नागनरकिन्नरविरंचिहरिहरहेरिपुलकसरीरहि
यहेतुहरषतुहै ॥ वामऔरजानकीकृपानिधानकेबि
राजैदेखतविषादमिटेमोदसरसतुहै ॥ आयसुभोलो
कनिसिधारेलोकपालसवतुलसी निहालकैकैदियेस
रषतुहै ॥ ४१ ॥ ॥ इतिश्रीलंकाकांडःसमाप्तः ॥ ॥

अथउत्तरकांडप्रारंभः ॥ ॥ सवैया ॥ ॥ बालिसेबी
रबिदारिसकुंठथप्यौहरखेसुरबाजनबाजे ॥ पदमेद
ल्योदासरथीदसकंधरलंकबिभीषनराजबिराजे॥राम
सुभाउसुनेतुलसीहुलसेअलसीहमसेगलगाजे॥ का
यरकूरकपूतनकीहदतेऊगरीबनेवाजनेवाजे ॥ ४२ ॥
बेदपढैंबिधिसंभुसभीतपुजावनरावनसोनितआवै ॥
दानवदेवदयावनेदीनदुखीदिनदूरिहितेसिरनावै ॥ऐ
सेउभागभगेदसभालतेजोप्रभुताकबिकोबिदगावै ॥
रामसबामभयेतेहिवामहिवामसबैसुखसंपतिलावै॥
॥४३ ॥ बेदबिरुद्धमहीमुनिसाधुससोककियोसुरलो
कउजाऱ्यौ ॥ औरकहाकहौंतीयहरीतबहूकरुनाकरि
कोपनेवाऱ्यौ॥सेवकछोहतेछांडिछमातुलसीलख्यौ
रामसभाउतिहाऱ्यौ ॥ तौलौंनदापदल्यौदसकंधर
जौंलौंबिभीषनलातनमाऱ्यौ ॥४४॥ सोकसमुद्रनि
मज्जतकाढिकपीसकियोजगजानतजैसो ॥ नीचनि
साचरबैरिकोबंधुबिभीषनकीन्हपुरंदरसैसो ॥ नाम

लियेअपनाइलियोतुलसीसोकहैजगकौनअनैसो ॥
आरतआरतिभंजनरामगरीवनेबाजनदूसरऐसो ॥
॥४५॥ मीतपुनीतकिएकपिभालुकोपालेजौकाहून
वालतनूजो ॥सज्जनसींवबिभीपनभोअजहूंविलसैब
रवंधुवधूजो ॥ कोसपालबिनातुलसीसरनागतपाल
कृपालनदूजो ॥ कूरकुजातिकपूतअघीसबकीसुधरै
जोकरैनरपूजो॥४६॥तीयसिरोमनिसीयतजीतेहिपा
वककीकलुपाईदहीहै ॥ धर्मधुरंधरबंधुतज्यौपुरलोग
नकी विधिवोलिकहीहै॥कीसनिसाचरकीकरनीनसु
नीनविलोकीनचित्तरहीहै ॥रामसदासरनागतकीअ
नखौंहीअनैसुभायसहीहै॥४७॥ अपराधअगाधपरे
जनतेअपनेउरआनतनाहिनजू ॥ गनिकागजगीधअ
जामिलकेगनिपातकपूंजसेराहिनजू॥ लियेबारकना
मसोधामदियेजेहिधाममहामुनिजाहिनजू ॥ तुल
सीभजुदीनदयालहिरेरघुनाथअनाथहिदाहिनजू ॥
॥४८॥ प्रभुसत्यकरीप्रहलादगिराप्रगटेनरकेहरिखं

भमहां ॥झषराजग्रस्यौगजराजकृपाततकालविलंब किएनतहां ॥सुरसाखीदैराखीहैपंडुवधूपटलूटतको टिककभूपजहां॥ तुलसी भजुसोचविमोचनकोजन कोपनरामनराख्यौकहां॥४९॥ नरनारिउघारिउघा रिसभामहहोतदियेपटसोचहस्यौमनको ॥ प्रहलाद विषादनेवारनवारनतारनमीतअकारनको॥जोकहाव तदीनदयालसहीतेहिभारसदाअपनेमनको॥तुलसी तजीआनभरोसभजैभगवानभलोकरिहैंजनको॥५० रिषिनारिउधारिकियोसठकेवटमीतपुनीतसुकीरति लही॥ निजलोकदियोसबरीखगकोकपिथापिसोमा लुमहैसबही॥दससीसबिरोधसभीतबिभीषनभूपकि योजगलीकरही॥ करुनानिधिकोभजुरेतुलसीरघुना थअनाथकेनाथसही॥५१॥कौसिकविप्रवधूमिथिला धिपकेसबसोचदलेपलमाहै ॥ बालिदसाननबंधुक थासुनिसत्रुसुसाहिबसीलसराहै ॥ ऐसीअनूपकहैतु लसीरघुनायककीअगुनीगुनगाहैं ॥ आरतदीनअना

थकोरघुनाथअरेनिजहाथनछाहैं॥ ५२॥तेरेबेसाहेब साहतऔरनिऔरवेसाहिबकेबचनहारे॥व्योमरसात लभूमिभरेनृपकूरकुसाहिबसेतिहुंखारे॥तुलसीतेहि सेतवतकौनभरेरजतेलघुकोकरेमेरुतेभारे॥ स्वामिसु सीलसमर्थसुजानसोतोसोतुहीदसरत्थदुलारे ॥५३ ॥ घनाक्षरी ॥ ॥ जातुधानभालुकपिकेवट विहंगजो जोपालेनाथसव्यसभयोसोकामकाजको ॥ आरतअ नाथदीनमलिनसरनआयेराखेसनमानिसोसुभाउ महाराजको ॥ नामतुलसीपैभोडेभागतेकहायोदास कियेअंगीकारऐसेबडेदगाबाजको ॥ साहेबसमर्थद सरथकेदयालदेवदूसरोनतोसोतुहीआपनेकीलाज को ॥ ५४ ॥ महावलीबालिदलिकायरसुकंठकपि राजकीएमहाराजहोनकाहूकामको ॥ भ्रातघातपात कीनिसाचरसरनआएकिएअंगीकारनाथएतेवडेवांम को ॥ रायदसरथकेसमर्थतेरेनामलियेतुलसीसेकूर कोकहतजगरामको॥आपनेनेवाजेकीतौलाजमहारा

जकोसुभाउसमुझातमनमुदितगुलामको॥५५॥रूप
सीलसिंधुगुनसिंधुबंधुदीनको ॥ दयानिधानजानम
निबीरबाहुबोलको॥आधकियेगीधकोसरायेफलस
बरीकेसिलासापसमननिबाह्योनेहकोलको॥तुलसी
उराउहोतरामकोसुभाउसुनिकोनबलिजाइनबिका
इबिनमोलको॥ऐसेहुसुसाहिबसेजाकोअनुरागनसो
बडोइअभागोभागभागेलोभलोकको॥५६॥ सूरसि
रताजमहाराजनकेमहाराजजाकोनामलेतहिंसुखेत
होतऊसरो ॥ साहिबकहांजहानजानकीससोसुजा
नसुमिरकृपालकेमरालहोतखूसरो॥ केवटपषानजा
तुधानकपिभालुतारेअपनायोतुलसीसोंधोंगधमधू
सरो॥बोलकोअटलबांहकोपगारदीनबंधुदूबरेकोदा
निकोदयानिधानदूसरो ॥५७॥ कीवेकोबिसोकलो
कलोकपालहूतेसबहूंकोउभयोचरवाहोकपिभालु
को ॥ पविकोपहारकियोख्यालहीकृपालरामबा
पुरोबिभीषनधरोंधाहोतबालको ॥ नामवोठलेतहीं

निखोतहोतखोटखलचोटबिनुमोटपाइभयोनहि हालको ॥ तुलसीकीबारबलिढीलहोतसीलसिंधुबि गरीसुधारवेकोदूसरोदयालको ॥ ५८ ॥ नामलि येपूतकोपुनीतकियेपातकीसुआरतिनेवारीप्रभुपाहि कहेपीलकी ॥ छलनकीछोंडीसीनिगोडीछोजाति पांतिकीन्हीलीनआपमेंभामिनीभोडीभीलकी ॥ तुलसीओतारवोविसारवोनअंतमोहुनीकेहैप्रतीति रावरेसुभावसीलकी ॥ देवतौदयानिकेतदेतदादिदीन नकीमेरीवारमेरीहीअभागनाथढीलकी ॥५९॥ आ गेपरेपाहनकृपाकिरातकोलनिकपीसनिसिअपनाए माथजू ॥ सांचीसेवकाईहनुमानकीसुजानरायरि नि याकह्यायोहैबिकानेताकेहाथजू ॥ तुलसीसेखोटे खरेहोतओटनामहीकीमहर्गीमाटीमगहूंकीमृगमद साथजू ॥ बातचलेबातकोनमानिवोबिलगबलि काकीसेवारीझिकेनेवाजेरघुनाथजू ॥ ॥ ६० ॥ कौंसिककीचलतिपापानकीपरसपाइटूटतधनुषब

निगईहैजनककी ॥ कोलखनसबरीबिहंगभालु
रातिचरचरिनकेलालचिनप्रापतिमनककी ॥ को
टिकलाकुसलकृपालनतपालवातहुंकितेकतृनतुल
सीतनककी॥ रायदसरत्थकेसमर्थरामराजमनितेरेहो
रेलोपैलिपिबिधिहूंगनककी॥ ६१ ॥सिलासापपाप
गुहगीधकोमिलापसेवरीकेबापआपचलिगएहौंसो
सुनीमैं॥सेवकसराहेकपिनायकबिभीषनकोभरतस
भासादरसनेहसुरधनीमैं ॥ आलसीअभागीअघी
आरतअनाथपालसाहेबसमर्थएकनीकेमनगुनीमैं ॥
दोषदुखदारिददलैयादीनबंधुरामतुलसीनदूसरोद
यानिधानदुनीमैं ॥६२॥ मीतबालिबंधुपूतदूतदस
कंधबंधुसचिवसराधसाधसेवरीजटाइको ॥ लंकज
रीजोहौजियसोचसोबिभीषनकोकहौऐसेसाहेबकी
सेवानखटाइको ॥ बडेएकएकतअनेकलोकनाथअ
पनेअपनेकीतौकहैगोघटाइको ॥ सांकरेकोसेइवोस
राहवेसुमिरिवेकोरामसोनसाहेबनकुमतिकटाइको

॥ ६३ ॥ भूमिपालव्यालपाललोकपालनाकपाल
कारनकृपालमैंसवैकेजोकीथाहली ॥ कादरकोआ
दरकाहूकेनाहींदेखियतसवनसोहातहैसेवासुजान
टाहली ॥ तुलसीसुभायकहैनकी कछुपच्छपात
कौनेईसकिएकी सभालुखासमाहली ॥ रामहोके
द्वारेपैतुलाइसनमानियतमोसेदीनदूवरेकपूतकूरका
हली ॥ ६४ ॥ सेवाअनुरूपफलदेतभूपज्योंविहीने
गुनपथिकपियासेजातपथके ॥ लेखेजोखेचोखेचीत
तुलसी स्वारथहितनीके देखेदेवतादेवैयागुनगथके॥
गीधमानेगुरुकपिभालुमानेमीतकेपुनीतगीतसाके
सवसाहेवसमर्थके ॥ औरभूपपरखिसुलाखितौ
लितांइलेतलसमकेखसमतुहींपैदसरत्थके ॥ ६५॥
रीतिमहाराजकीनिवाजिएजोमांगनोसोदोषदुखदा
रिददरिद्रकैकैछोडिये॥नामजाकोकामतरुदेतफलचा
रिताहितुलसीविहाइकैववूरेंडगोडिये ॥ जाचैकोन
रेसदेसदेसकोकलेसकरैदेहैंतोप्रसन्नव्हैवडीवडाइबो

डिये ॥ कृपापाथनाथलोकनाथनाथसीतानाथतजि
रघुनाथऔरकाहिऔंडिये ॥ ६६ ॥ ॥ सवैया ॥
॥ जाकेबिलोकेतेलोकपहोतबिसोकलहैसुरलोकसु
ठौरहि ॥ सोकमलातजिचंचलताअरुकोटिकलारि
झवेसिरमोरहि ॥ ताकोकहाइकहैतुलसीतुलजाहि
नमांगतकूकुरकौरहि ॥ जानकीजीवनकोजनव्हैज
रिसाउसोजीहजोजाचतऔरहि ॥ ६७ ॥ जडपंच
मिलैजेहिजेहकरीकरनीदेखुधौंधरनीधरकी ॥ जन
कीकहुक्यौंकरिहैनसंभारजोसारकैसचराचरकी ॥
तुलसीकहुरामसमानकोआनहैसेवकिजासुरमाघर
की ॥ जगमेगतिजाहिजगत्पतिकीपरवाहिसोताहि
कहानरकी ॥ ६८ ॥ जगजाचियकोउनजोचियजौं
जियजांचियजानकीजानहिरे ॥ जेहिजांचतजांचक
ताजरिजाइजोजारतजोरजहानहिरे ॥ गतिदेखुबिचा
रिबिभीषनकीअरुआनिहिएनुमानहिरे ॥ तुलसीभ
जुदारिददोषदवानलसंकटकोटिघपानहिरे॥६९॥सु

नुकानदिएनितनेमलिएरघुनाथहिकेगुनगाथहिरे ॥
मुखमंदिरसुंदररूपसदाउरआनिधरेधनुमाथहिरे ॥र
सनानिसिवासरसादरसोतुलसीजपुजानकिनाथहिरे
॥ करुसंगसुसीलसुसंतनसोतजिकूकुरपंथकुसाथहिरे
॥ ७० ॥ सुतदारअगारसखापरिवारविलोकुमहाकु
सुमाजहिरे ॥ सबकीममतातजिकैसमतातजिसंतस
भानविराजहिरे ॥ नरदेहकहाकरिदेखुविचारगंवार
विगारनकाजहिरे ॥ जनिडोलहिलोलुपकूकरज्यौतु
लसीभजकौसलराजहिरे ॥ ७१ ॥ विपयापरनारिनि
सातरुनाइसोपाइपर्यौअमुरागहिरे ॥ जमकेपहरू
दुखरोगवियोविलोकतहूंनविरागहिरे ॥ ममतावस
तेसवभूलिगयोभयौभूरमहाभयभागहिरे ॥ जरठाई
दसारविकालउर्योअजहूंजडजीवनजागहिरे ॥ ७२
जनम्यौंजेहिजोनिअनेकक्रियासुखलागिकरीनपरैब
रनी॥ जननीजनकादिहितूभयेभूरिवहारिभईउरकी
जरनी॥ तुलसीअवरामकोदसकहाइहियेधरुचातक

कीधरनी ॥ करिहंसकोबेषबडोसबतेतजिधौंबकबा
यसकीकरनी ॥ ७३ ॥ भलिभारतभूमिभलकुल
जन्मसमाजसरीरभलोलहिकै ॥ ममताकरषातजि
कैबरषाहिममारुतधामसदासहिकै ॥ जोभजैभगवा
नसयानसोइतुलसीहठचातकज्यौंगहिकै ॥ नतो
औरसबैबिषबीजबयेहरहाटककामधुकानहिकै ॥
॥ ७४ ॥ सोसुकृतीशुचिमंतसुखंतसुजानसुसीलसि
रोमनिखै ॥ सुरतीरथतासुमनावतआवनपापनहो
तहैतातनछै ॥ गुनगेहसनेहकोभाजनसोसबहीसो
उठाइकहौंभुजद्दै ॥ सतीभावसदाछलछांडिसबैतुल
सीजोरहैरघुवीरकोव्है ॥ ७५ ॥ सोजननीसोपि
तासोइभ्रातसोभामिनिसोसुतसोहितमेरो ॥ सोइस
गोसोसखासोइसेवकसोगुरसोसुरसाहिबचेरो ॥ सो
तुलसीप्रियप्रानसमानकहांलौबनाइकहौबहुतेरो ॥
जोतजिदेहकोगेहकोमेहसनेहसोरामकोहोइसबेरो॥
॥ ७६ ॥ रामहैंमातपितासुतबंधुऔसंगीसखागुरु

स्वामिसनेही ॥ रामकीसौंहभरोसोहैरामकोरामरं
गीरुचिराचोनकेही ॥ जीवतराममुएपुनिरामसदार
घुनाथहिकीगतिजेही ॥ सोइजियैजगमैंतुलसीनत
डोलतऔरमुएधरदेही ॥ ७७ ॥ सियरामसरूप
अगाधअनूपविलोचनमीननकोजलुहै ॥ श्रुतिरा
मकथामुखरामकोनामहिएपुनिरामहिकोथलुहै॥ म
तिरामहिसोगतिरामहिसारतिरामसो रामहिकोबा
लुहै ॥ सबकीनकहैतुलसीकेमतेयतनोजगजीवनको
फलुहै ॥ ७८ ॥ दसरथकेदानिसिरोमनिरामपुरा
नप्रसिद्धसुन्यौजसमै ॥ नरनागसुरासुरजाचकजोतु
मसोमनभावतपावनमै ॥ तुलसीकरजोरिकरैबिनती
जोकृपाकरिदीनदयालसुनै ॥ जेहिदेहसनेहनरावरे
सोएसीदेहधराइकैकाहजनै ॥ ७९ ॥ झूठोहैझूठोहै
सदाजगसंतकहतजेअंतलहाहै ॥ ताकौसहैसठसंक
टकोटिककाढतदंतकरंतहहाहै॥ जानपनीकोगुमान
वडोतुलसीकेविचारगवारमहाहै ॥जानकीजीवनजा

ननजान्योतोजानकहावतजानकहाहै ॥ ८० ॥ तिनतेखरसूकरस्वानभलेजडताबसतेनकहैंकछुवै॥ तुलसीजेहिरामसोनेहनहीसोसहीबिनुपसुपोंछबिवानन्है ॥ जननीकतभारमुईदसमासभईकिनबांझगईकिनव्है॥ जारिजाउसोजीवनजानकीनाथजियैजगमैतुह्मरोबिनुव्है ॥ ८१ ॥ गजवाजिघटाभलेभूरिभटाबनितासुतभौंहतकैसवकै ॥ घरनीधनधामसरीरभलोसुरलोकहूंचाहिइहैसुखसै ॥ सबफोकटसाकटहैतुलसीअपनोनकछूसपनोदिनद्वै ॥ जरिजाउसोजीवनजानकीनाथजियैजगमैतुह्मरोबिनुव्है ॥ ॥ ८२ ॥ सुरराजसोराजसमाजसमृद्धिविरंचिधनाधिपसोधनमों ॥ पवमानसोपावकसोजमसोमसोपूषनसोभवभूषनमों ॥ करिजोगसमाधिसमीरनसाधिकैधीरबडोबसहूंमनमों ॥ सबजायसुभायकहैतुलसीजोनजानकीजीवनकोजनमों ॥ ८३ ॥ कामसेरूपप्रतापदिनेससेसोमसेसीलगनेससेमाने ॥ हरि

चंदसेसांचेबडेविधिसेमघवासेमहीपविषयसुखसा
नें ॥ सुखसेमुनिसादरसेवकताचिरजीवनलोमसते
अधिकाने ॥ ऐसेभएतोकहातुलसीजोपेराजिवलोच
नरामनजाने ॥ ८४ ॥ झूमतद्वारअनेकमतंगजजोर
जडेमदअंबुचुचाते ॥ तोखेतुरंगमनोगतिचंचलपौन
केगौनहुतेवढिजाते ॥ भीतरचंद्रमुखीअवलोकति
बाहिरभूपखडेनसमाते ॥ ऐसेभयेतोकहातुलसीजो
पैजानकीनाथकेरंगनराते ८५ राजसुरेसपचासककेो
विधिकेकरकोजोपटोलिखिपाये ॥ पूतसपूतपुनीत
प्रियानुजसुंदरतारतिकोमदनाये ॥ संपतिसिद्धिसबै
तुलसी मनकीमनसाचितवैचितलाये ॥ जानकिजी
वनजानेविनाजनऐसेउजीवनजीवतजाये ॥ ८६ ॥
कुसगातललातजोरोटिनकोघरवातखरीखुरपाखरि
या ॥ तिनसोनेकेमेरुसेढेरलहेमनतौनभऱ्यौघरपैभ
रिया ॥ तुलसीदुखदूनोदसादुहुंदेखिकियोमुखदारि
दकोकरिया ॥ तजिआसभोदासरघूपतिकेदशरथके

दानिदयादरिया ॥ ८७ ॥ कोमरिहैहरिकेरितयेरित
वैपुनिकोहरिजोभरिकै ॥ उथपैतेहिकोजेहिरामथ
पैथपिहैतेहिकोहरिजोटरिहै ॥ तुलसीयहजानि
हियेअपनेसपनेनहिकालहुसेडरिहै ॥ कुमयाक
छुहानिनऔरनकीजौपैजानकीनाथकृपाकरिहै ॥
॥ ८८॥ व्यालकरालमहाविषपावकमत्तगयंदनकेर
दतोरे ॥ सांसतिसंकिचलीडरपैहुतेकिंकरतेकरनी
मुखमोरे ॥ नेकुविषादनहीप्रहलादहिकारनकेहरिके
बलहोरे ॥ कौनकीत्रासकरीतुलसीजोपैराखिहैंराम
तोमारिहैकोरे ॥ ८९ ॥ कृपाजेहिकोकछुकाजनहीन
अकाजकछूजेहिकेमुखमोरे ॥ केरेतिनकीपरवाहिको
जाहिविषाननपूंछफिरैदिनदोरे ॥ तुलसीजेहिकेरघु
बीरसेनाथसमर्थसोसेवतरीझतथोरे ॥ कहाभवभीर
परीतेहिधौंबिचरैधरनीतिनसोतृनतोरे ॥ ९० ॥ का
ननभूधरवारिबयामहाविषव्याधिदवाअरिघेरे॥संक
टकोटिजहांतुलसीसुतमातपिताहितबंधुननेरे ॥ रा

स्विहैंरामकृपालतहांहनुमानसेसेवकहैंजेहिकेरे ॥ नाकरसातलभूतलमेंरघुनायकएकसहायकमेरे ॥ ९१॥ जबहींजमराजरजायसुतेमोहिलैचलिहै भटबांधिनटैया ॥ तबतातनमातनस्वामिसखासुतबंधुबिसालबिपतिबटैया॥ सासतिघोरपुकारतआरतकौनसुनैचहुंऔरडटैया॥ एककृपालनहांतुलसीदसरथकेनंदनबंदिकटैया ॥९२॥जहांजमजातनघोरनदीभटकोटिजलचरदंततटैया॥ जहधारभयंकरवारनपारनबोहितनावनमीतखेवैया ॥ तुलसीजहंमातुपितानसखानहिकोउकहूंअवलंबदेवैया ॥ तहांविनुकारनरामकृपालविसालभुजागहिकाढिलेवैया ॥ ९३ ॥ जहांहितस्वामिनसंगसखावनितासुतबंधुनबापनमैया ॥ कायगिरामनकेजनकेअपराधसबैछलछांडिछमैया॥ तुलसीतेहिकालकृपालविनादुजौकोनहैदारुनदुःखदमैया ॥ जहांसबसंकटदुर्घटसोचतहांमेरोसाहिबराखैरमैया ॥ ९४ ॥ तापसकोबरदायकदेवसबै

पुनिबैरबडावतबाढे ॥ थोरेहीकोपकृपापुनिथोरेही
बैठिकैजोरततोरतठाढे ॥ ठोकिबजायिलियेगजरा
जकहांलोकहौंकेसोरदकाढे ॥ आरतकेहितनाथ
अनाथकेरामसहायसहीदिनगाढे ॥ ९५ ॥ जपजो
गबिरागमहामखसाधनदानदयादमकोटिकरै ॥ मु
निसिद्धसुरेसमहेसगभेससेवतजन्मअनेकमरै ॥ नि
गमागमज्ञानपुरानपढतपसानलभेजुगपुंजजरै ॥ म
नसोपनरोपिकहैतुलसीरघुनाथबिनादुखकौनहरै ॥
॥ ९६ ॥ पातकपीनकुदारिददीनमलीनधरैकथबि
करवाहै ॥ लोककहैबिधिहूंनलिख्यौसपनेहुनहीअ
पनेबरवाहै ॥ रामकोकिंकरसोतुलसीसमुझेहीभलो
कहवोनरवाहै ॥ ऐसोभयोकबहूनभजेबिनुबानरको
चरवाहै ॥ ९७ ॥ मातपितजगजाजतज्यौबिधिहूं
नलिख्यौकछुभालभलाई ॥ नीचनिसदरभाजनका
दरकूकुरटूकनलागिललाई ॥ रामसुभावसुन्यौतु
लसीप्रभुसौकह्यौबारकयेठखलाई ॥ स्वारथकोपर

मारथकोरघुनाथसोसाहेवखोरिनलाई ॥१८॥ पाप
हरेपरितापहरेतनपूजिभोहीतुलसीतलताई ॥ हंस
कियोवकतेवलिजाऊंकहांलौकहौंकरुनाअधिकाई॥
कालविलोकिकहैतुलसीमनमेंप्रमुकीपरतीतिअघा
ई ॥ जन्मजहांतहांरावरेसोनिभयेभरिदेहसनेहस
गाई ॥ १९ ॥ लोककहैअरुहौंहूकंहूंजनखोटोख
रोरघुनायकहीको ॥ रावरोरामबडीलघुताजसमे
रामयोसुखदायकहीको ॥ कैयहहानिसौंबलिजा
ऊंकिमोहूकरोनिजलायकहीको ॥ आनिहिएहित
जानिकरोचाहोध्यानधरोधनुसायकहीको ॥२००॥
आपुहोंआयुकोनीकेकै जानतरावरोरामभरायोगढा
यो ॥ कीरज्योंनामरटैतुलसीसोकहैजनजानकिनाथ
पढायो ॥ सोईहैखेदजोवेदकहैनघटैजनजोरघुबीरब
ढायो ॥ हौतोसदाखरकोअसवारतिहारेईनामगयं
दचढायो ॥ १ ॥ ॥ घनाक्षरी ॥ ॥ छारितेसवां
रिकैपहारहूतेभारिकियोगारोभयोपांचमेपुनीतपच्छ

पाइकै ॥ हौतौजौसोतबतैसोअबअधमाइकैकैभरोपे
टरामरावईगुनगाइकै ॥ आपनेनिवाजेकीपैकीजैला
जमहाराजमेरीओरहेरिकैनबैठियेरिसाइकै ॥ पालि
कैकृपालव्यालबालकोनमारिये औकाटियेननाथ
विषहूंकोरूखलाइकै२ बेदनपुरानगानजानौनबिज्ञा
नज्ञानध्यानधारनासमाधिसाधनप्रवीनता ॥नाहिन
बिरागजोगजागभोगतुलसीकेदयादानदूबरो हौपा
यहीकीपीनता॥ लोभमोहकामकोहदोसकोसमोसो
कौनकलिहूंसिखिलईमेरीएमलीनता ॥ एकहीभरो
सोरामराबरोकहावतहौरावरे दयालदीनबंधुमेरीदी
नता ॥ ३ ॥ रावरोकहावोगुनगावोंरामरावरोइरोटी
द्वैहौंपावोंरामरावरीहिकानिहौं ॥ जानतजहानमन
मेरेहूंगुमानबडोमानोमैनदूसरो नमानतुनमानिहौं
पांचकीप्रतीतिनभरोसोमोहिआपनो ईतुमअपना
इहौतबहिपरिजानिहौं ॥ गढिगुढिछोलिछोलिकुंद
कैसीभाई बातैजैसीमुखकहौं तैसीजोयजबआनिहौं

॥ ४ ॥ वचनविकारवहूकरतखुवारमनविगतविचा
रकलिमलकोनिधानुहै ॥ रामकोकहाइनामवेचिवे
चिखाइसेवासंगतिनजाइपाछिलेकोउपरवानुहै ॥ ते
हूतुलसीकोलोगभलोभलोकहैताकोदूसरो नहेतुए
कनीकेकोनिदानुहै ॥ लोकरीतिविदितविलोकिय
तजहांतहांस्वामिकेसनेहस्वानहूंकोसनमानुहै ॥५॥
स्वारथकोसाजनसमाजपरमारथकोमोसोदगावाज
दूसरोनजगजालहै ॥ कौनआयोंकरोंनकरोंगोकरतू
तिभलीलिखीनविरंचिहूभलाईभूलिआलहै ॥ राव
रीसपथरामनामहीकीगतिमेरेइहांझूठोझूठोसोतिहूं
कालहैं ॥ तुलसीकोभलोपैतुह्मारोहिकिये कृपाल
कीजेनविलंववलिपानीभरीखालहै ॥ ६ ॥ रागको
नसाजनविरागजोगजागजियकायननछांडिदेतठाढि
वोकुठाटको ॥ मनोराजकरतअकाजभयोआजुलगि
चाहे चारुचीरपैलहीनटूकटाटको ॥ योकरतारवडे
क्रूरकोकृपालअतिपायोनामपारसहौंलालचीवराट

को ॥ तुलसीकीबानीरामरावरेबनाईनतोधोबीकै
सोकूकुरनघरकोनघाटको ॥ ७ ॥ ऊंचोमनऊंचोरु
चिभागनीचोनिपटहिलोकरीतिलायकनलंगरलबा
रहै ॥ स्वारथअगमपरमारथकीकहाचलीपेटकीक
ठिनजगजावकोजवारुहै ॥ चाकरीनआकरीनखेती
नवनिजभोखजानततकूरकछूकिसिमकवारहै ॥ तु
लसीकीबाजीराखीरामहीकैनामनतोभेटपितरनसो
नमुंदहूमेबारहै ॥ ८ ॥ अपतउतारअपकारकोअ
गारजगजाकेछाहछुयेसहमतव्याधबाधको ॥ पात
कपुहुमिपालिवे कोसहसाननकपटकोपयोधिअप
राधको ॥ तुलसीसेबामकोभोदाहिनोदयानिधान
सुनतसिहातसबसिद्धसाधुसाधको ॥ रामनामललि
तसलामकियेलाखनकोबडो कूरकायरकपूतकौडी
आधको ॥ ९ ॥ सबअंगहीनसबसाधनबिहीनम
नबचनमलीनहीनकूरकरतूतिहौं ॥ बुधिबलहीन
भावभगतिबिहीन दीनगुनज्ञानहीन हीनभागहूंबि

भूतिहौं ॥ तुलसीगरीबकीगईबहोररामनामजाहि जपिजीहरामहूंकोबैठोधूतिहौं ॥ प्रीतिरामनामसे प्रतीतिरामनामकीप्रसादरामनामकेपसारिपाइसूति हौं ॥ १० ॥ मेरेजानजबतेहौंजीवव्है जनम्यौजग तबतेबेसाह्यौदामलोहकोहकामको ॥ मनतिन हीकीसेवातिनहीसोभावनीकोबचनबनाइकहौंहौंगु लामरामको ॥ नाथहूनअपनायोलोकरूढीव्हैपरी पेंप्रभुहुतेप्रबलप्रतापप्रभुनामको ॥ अपनीभलाई भलोकीजैतोभलाईभलोतुलसीकोखुलैतोखजानो खोटेदामको ॥ ११ ॥ जोगनबिरागजपजागत पत्यागव्रत तीरथनधर्मजानो वेदविधिकिमिहै ॥ तुलसीसोपोचनभयोहैनहीव्हैहैकहूंसोचैसबयाकेअ घकैसेप्रभुछमिहै ॥ मेरेतौनडररघुबीरसुनौसांचीक हौंखलअनखैहैं तुम्हैंसजननिनगमहै ॥ भलेसुकृ तीकेसंगमोहितुलातौलिएतौनामके प्रसादभारमे रीओरनमिहै ॥ १२॥ जातिकेकुजातिकेअजातिके

पेटागिबसखाएटूकसबके बिदितबातदुनीसो ॥ मा
नसबचनकायकियेपापसतिभायरामको कहायदास
दगाबाजपुनीसो ॥ रामनामकोप्रभाउधाउमहिमा
प्रतापतुलसीसोजगमानियतमहामुनिसो ॥ अतिहि
अभागोअनुरागतनरामपदमूढयेतेबडोअचरजदेखि
सुनीसो ॥ १३ ॥ जायोकुलमंगनबधावनोबजा
योसुनिभयोपरितापपापजननिजनकको ॥ वारेतेल
लातबिललातद्वारद्वारदीनजानतहौंचारि फलचारि
हिचनकको ॥ तुलसीसोसाहिबसमर्थकोसुसेवकहि
सुनतसिहातसोचबिधिहूगनककको ॥ नामरामरावरो
सयानकिधौबावरोजोकरतगिरितैगरुतृनतेतनकको
॥ १४ ॥ बेदहूंपुरानकहीलोकहूंबिलोकियतरामना
महीसोरीझसकलभलाईहै ॥ कासीहूमरतउपदेस
तमहेससोईसाधनअनेकचितईनाचतलाईहैं ॥ छा
छिकोललातजेतेरामनामकेप्रसादखातखुनसातसो
धे दूधकीमलाईहै ॥ रामराजसुनियतराजनीतिकी

अवधिनामरामरावरेतोचामकीचलाईहै ॥ १५ ॥
सोचसंकटनिसोचसंकटपरतजरजरतप्रभाउनामल
लितललामको ॥ बूडीयोतरतबिगरीयोसुधरत बा
तहोतदेखिदाहिनोसुभाउबिधिबामको ॥ मागत
अभागअनुरागबिरागभागजागतआलसतुलसीहूंसे
निकामको ॥ धाईधारिफिरिकैगोहारिहितकारीहो
तआईमीच मिटतजपतरामनामको ॥ १६ ॥ आं
धरोअधमजडजाजरोजराजमनसूकरकेसाबकटका
टकेलोमगमै ॥ गिऱ्यौहिएहहरिहरामहोहरामह
न्यौहाइहाकरतपरिगोकालफंगमैं ॥ तुलसीबिसो
कव्है तिलोकपतिलोकगयो नामकेप्रतापबातबिदि
तहैजगमै ॥ सोईरामनामजोसनेहसोजपतजनता
कीमहिमाक्योंकहीहैजागतअगमैं ॥ १७ ॥ जप
कीनतपखपकियो नतमाईजोगजागनबिरागत्याग
तीरथनतनको ॥ भाईकोभरोसोनखरोसोबैरवरीहू
सोबलअपनोनहितजननीजनकको ॥ लोककोनसो

चेदेवसेवानसहायगर्वधामकोनधनको ॥ रामहीके
नामतेजोहोइसोइनोकीलागैऐसोइसुभावकछुतुल
सीकेमनको ॥१८॥ ईसनगनेसनदिनेसनसुरेससन
गौरगिरापतिनहितनजपौजपने ॥ तुह्मारेईनामको
भरोसोभवतरिवेको बैठेउठजागतबागतसुखसपने॥
तुलसीहैबावरोसोरावरोइरावरीसौंरावरेहजानिजिय
कीजियेजअपने॥जानकीजीवनमेरेरावरेवदनफेरेठां
उनसमाउकहूंसकलनिरपने ॥१९॥ जाहिरजहान
मेजमानोएकभांतिभयोबेचिय बिबुधधेनुरासभी
बेसाहिये ॥ ऐसेउकरालकलिकालमेंकृपालतेरेनाम
प्रतापनत्रितापतनदाहिये ॥ तुलसीतिहारोमनबच
नकरमजनयेहूनातोनेहनिजओरतेनिबाहिये ॥ रंक
केनिवाजरघुराजराजाराजनके उमिरिदराज महारा
जातेरीचाहिये ॥२०॥ स्वारथसमाननप्रपंचपरमा
रथकहायोरामरावरोहोजानतजहानुहै ॥नामकेप्रता
पबापआजलौंनिबाहीनीकीआगेकोगोसांई स्वामी

सबलसुजानहै॥कलिकीकुचालिदेखिदिनदिनदुनी
देवपाहरूईचोरहेरिहियहहरानुहै ॥ तुलसीकीबलि
वारवारवारहींसह्मारकीवीजद्यपिकृपा निधानसदा
सावधानहै॥२१॥दिनदिनदुनीदेखीदारिददुकालदु
खदुरितदुरगजमुखसुकृतसकोचहै ॥मागैपेतपावतप्र
चारिपातकीप्रचंडकालकीकरालताभलेकोहोतपोच
है ॥आपनेतौयेकअवलंबअंबईभज्यौसमर्थसीताना
थसबसंकटविमोचहै ॥ तुलसीकीसाहसमराहियेकृ
पालरामनामकेभरोसेपरिनामकोनिसोचहै॥ २२॥
मोहमदमातोरातोकुमतिकुनारिसोविसारिवेदलोक
लाजआकरोअचेतहै आवैसोकरतमुख आवैसोकहत
कछुकाहूकीसहतसनाहिरकसहेतहै ॥तुलसीअधिक
अधमाईहूंअजामिलतेताहूमे सहायकलिकपटनि
केतहै ॥ जैवेकीअनेकटेकएकटेकव्हैवेकीसोपेटप्रि
यपूतहितरामनामलेतहै ॥२३॥ज़ागियेनसोइयेजन
मजाइदिनदुखरोइएकलेसकोहकामको ॥ राजरंक

रागीऔबिरागीभूरिभागीएअभागी जीवजरतप्रभा
उकलिबामको ॥ तुलसीकबंधकैसोधाइवोबिचारु
अंधधुंधदेखियतजगसोचपरिनामको ॥ सोइवोजो
रामकेसहेनकीसमाधिसुखजागि वोजोन्हिहजपैनीके
रामनामको ॥ २४ ॥ बरनधरमगयोआश्रमनिवा
सतज्यौत्रासनचकितसोपरावनोपरोसोहै ॥ परमउ
पासनाकुबासनाबिनासोज्ञानबचनबिरागबेषजगत
हरोसोहै ॥ गोरखजगायोजोगभगतिभगायोलोगनि
गमनियोगतेसोकलिहिछरोसोहै ॥ कायमनबचन
सुभायतुलसीहैजाहिरामनामकोभरोसोताहीकोभ
रोसोहै ॥ २५ ॥ ॥ सवैया ॥ ॥ बेदपुरानबि
हाइसुपंथकुमारगकोटिकुचालिचलीहै ॥ कालक
रालनृपालकृपालनराजसमाजबडोइछलीहै ॥ ब
र्नबिभागनआश्रमधर्मदुनीदुखदोषदरिद्रदलीहै ॥
स्वारथकोपरमारथकोकलिरामकोनामप्रतापबली
है ॥ २६ ॥ नमिटैभवसंकटदुर्घटहैतपतीरथजन्म

अनेकंअटौ ॥ कलिमेनबिरागनज्ञानकहूंसवलागत फोकटझूटजटौ ॥ नटज्यौंजिनपेटककोटिकचेटक कौतुकठाढठटौ ॥ तुलसीजोसदासुखचाहियेतौर सनानिसिवासरराममरटौ ॥ २७ ॥ दमदुर्गमदानद यामखकर्मसुधर्मअधीनसवैधनको ॥ तपतीरथसा नजोगबिरागसोहाइनहीदृढतातनको ॥ कलिकाल करालमेरामकृपालईहैअवलंववडीमनको ॥ तुल सीसवसजमहीनसवैएकनामअधारसदाजनको ॥ ॥ २८ ॥ पाइसुदेहविमोहिनदीतरनीनलहीकरनी नकछूकी ॥ रामकथावरनीनवनाइसुनीनिकथाप्रह लादनधूकी ॥ अवजोरजराजरिगातगये मनमानि गलानि कुवानिनमूकी ॥ नीकेकैठीकदईतुलसीअ वलंववडीउरआखरदूकी ॥ २९ ॥ रामविहाइमरा जपतेविगरीसुधरीकविकोकिलहूकी ॥ नामहितेग जकीगनिकाहूअजामिलकीचलिगैचलचूकी ॥ रा ममतापवडेकुसमाजवजाइरहीपतिपंडुवधूकी ॥ ता

कोभलोअजहूंतुलसीजेहिप्रीतिप्रतीतिहैअखरदूकी
॥३०॥नामअजामिलसेखलतारनबारनबारबधूको
नामहरेप्रहलादबिषादपिताभयसासतिसागरसूको
॥नामसोप्रीतिप्रतीतिबिहीनगिलोकलिकालकराल
नचूको ॥ राखिहैंरामसोजासुहियेतुलसीहुलसैब
लआखरदूको ॥ ३१ ॥ ॥ घनाक्षरी ॥ ॥ खे
तीनकिसानकोभिकारीकोनभीकबलिबनिककोबनि
जनचाकरकोचाकरी॥जीवकाबिहीनलोगबिद्यमान
सोचबसकहैएकएकनसोकहांजाइकाकरी ॥ वेदहूंपु
रानकहीलोकहूंबिलोकियतसांकरेसबकोरामरावरे
कृपाकरी॥ दारिददसाननदबाईदुनीदीनबंधुदुरितद
हतदेखितुलसीहहाकरी ॥ ३२ ॥ कुलकरतूतिभू
तिकोरतिसरूपगुनजोबनज्वरजरतपरतनकछूकही॥
राजकाजकुपथकुसाजभोगरागहीकेबेदबुधबिद्यापइ
बिबसबलकही ॥ गतितुलसीसकीलखतनहिजोतु
रतपबितेकरतछारयवसोपलकही ॥ कासौकीजैरो

पदोपदीजैकाही पाहिरामकियोकलिकालकुलिष
ललपलकही ॥ २३ ॥ बबुरबहेरेकोबनाइबाग
लाइयतरूंधवेकोसोऊसुरतरुकाटियतहै ॥ गारीदेते
नीचहरिचंदहूंदधीचहूकोआपनेचनाचबाइहाथचा
टियतहै ॥ आपुमहापातकीहंसतहरिहरहूंकोआपुहै
अभागीभूरिभागीडांटियतहै ॥ कलिकीकलुषमनम
लिनकीएकहतमसककीपांसुरी पयोधिपाटियतहै॥
॥२४ ॥सुनियेकरालकलिकालभूमिपालतुमजाहि
घालोचाहिएकहोधौंराखैताहिको ॥हौंतोदनिदूबरो
बिगारोढारोंरावरोनमैंहूंतैहूंताहिको सकलजगजाहि
को ॥ कामकोहलाइकेदेखाइयतआंखिमोहियेतेमा
नअकसकीवेकोआपुआहिको ॥ साहिबसुजानजन
स्वानहूंकोपच्छकियोरामबोलानामहौं गुलामराम
माहिको ॥ २५ ॥ ॥ सवैया ॥ ॥ सांचीकहौंकलि
कालकरालमैंढारोंबिगारोतिहारोकहाहै ॥ कामको
लोभकोक्रोधकोमोहकोमोहीसोआनिप्रपंचरहाहै ॥

हौंजगनायकलायकआजुपैमेरीयोटेवकुटेवमहाहै॥
जानकीनाथबिनातुलसीजगदूसरेसोकरिहैनहहाहै
॥३६॥ भागीरथीजलपानकरौंअरुनामद्वैरामकेलेत
नितैहौं॥मोसोनलेनोनदेनोकछूकलिभूलनरावरैऔ
रचितैहौं॥ जानिकैजोरकरौंपरिनामतुह्मेपछितैहौपै
मैनभितैहौं ॥ ब्राह्मनज्यौंउगिल्यौउरगारिहौंत्योहो
तिहारेहियेनहितैहौं ॥ ३७ ॥ राजमरालकेबालकपे
लिकेपालतलालतखूसरको ॥ सुचिसुंदरसालिसके
लीसंवारिकैबीजबटोरतऊसरको ॥गुनज्ञानगुमानभ
भेरीबडोकल्पद्रुमकाटतभूमरको॥ कलिकालबिचा
रअचारहरीनहिसूझैकछूधमधूसरको ॥२८॥कीवेक
हापढिवेकोकहाफलबूझिनबेदकोभेदबिवाऱ्यौ ॥
स्वारथकोपरमारथकोकलिकामदरामकोनामबिवा
ऱ्यौ ॥वादविवादविषादबढाइक छातीपराईऔआप
नीजाऱ्यौ ॥ चारिहूकोछहुकोनबकोदसआठकोपा
ठकुकाठज्यौंफाऱ्यौ ॥ ३९ ॥ आगमबेदपुरानब

स्वानतकोटिकमारगजाहिनजाने ॥ जेमुनितेपुनिआ
पुहिआपुकोइसकहावतसिद्धसयाने ॥ धर्मसबैकलि
कालग्रसेजपजोगविरागलैजीवपराने ॥ कोकरिसो.
चमेरेतुलसीहमजानकिनाथकेहातबिकाने ॥४०॥
धूतकहौअवधूतकहौरजपूतकहौजोलहाकहौकोऊ॥
काहूकीबेटीसोबेटानव्याहिहैंकाहूकीजातबिगारन
सोऊ ॥ तुलसीसरनामगुलामहै रामकोताकोरुचै
सोकहैकछुओऊ ॥ मांगिकैखैबोमजीतकोसोईबोल्लै
बो एकनदेवेकोदोऊ ॥ ४१ ॥ ॥ घनाक्षरी ॥
॥ मेरेजातिपांतिनचहौंकाहुकिजातिपांतिमेरे को
उकामकोनहूंकाहूकेकामको ॥ लोकपरलोकरघु
नाथहीकेहाथसबभारीहैभरोसोतुलसीकेएकनामको
॥ अतिहीअयानेउपखानेनहिबूझैलोकसाहेबकेगो
तगोतहातहगुलामको ॥ साधुकैअसाधुकैभलोकै
पोचसोचकहाकहाकाहूकेद्वारपऱ्योंजोहौसोहौराम
को ॥ ४२ ॥ कोऊकहैकरतकुसाजदगाबाज

डोकोऊकहैरामकोगुलामखरोखूबहै ॥ साधू
नैमहासाधुखलजनै महाखलबानीझूठीसाची
कोटिउठतहबूबहै ॥ चहतनकाहूसोकहतनकाहू
कोकछुसबकीसहतउरअंतरनऊबहै ॥ तुलसीकाम
ओपोचहाथरघुनाथहीकेरामकीभगतिभूमिमेरीम
तिदूबहै ॥ ४३ ॥ जागैजोगीजंगमजतिजमातध्या
नधरैडरैडरभारीलोभमोहकोहकामके ॥ जागैराजा
राजकाजसेवकससाजसाजसोचै सुनिसमाचारवडेबै
रीबामके ॥ जागैंबुधबिद्याहित पंडितचकित चित
जगैंलोभिलालचधरनीधनधामके ॥ जागैंभोगीभो
गहिबियोगीरोगीरोगबससोवैसुखतुलसीभरोसेएक
रामके ॥ ४४ ॥ छप्पै ॥ ॥ राममातुपितुबंधुसुज
नगुरपूज्यपरमहित ॥ साहेबसखासहाइनेहनातो
पुनीतचित ॥ देसकोसकुलकर्मधर्मधनधामधरनि
गति॥ जातिपांतिसबभांतिलागिरामहिहमारमति॥
परमारथस्वारथसुजससुलभरामतेसकलफल ॥ क

हैतुलसीदासअबजवककवहूंएकरामतेमोरभल ॥
॥ ४५ ॥ महाराजवलिजांवरामसेकउसुखदायक ॥
महाराजवलिजांउरामसुंदरसवलायक॥ महाराजब
लिजांउरामसंकटसवमोचन ॥ महाराजबलिजाउ
रामराजीवविलोचन॥वलिजांउरामकरुणायतनमन
तपालपातकहरन॥ बलिजांउरामकलिभयबिकलतु
लसीदासराखियसरन॥४६॥ जयताडकासुबाहुमथ
नमारिचमानहर॥ मुनिमखरच्छनदच्छसिलातारन
करुनाकर ॥ नृपगनवलमदसहितसंभुकोदंडविहंड
न ॥ जयकुठारधरदर्पदलनदिनकरकुलमंडन ॥ जय
जनकनगरआनंदप्रदसुखसागरसुखमाभवन॥ कहैतु
लसीदाससुरमुकुटमनिजयजयजयजानकीरमन ॥
४७॥जयजयंतजयकरअनंतसजनजनरंजन॥जयबि
राधवधविदुपविवुधमुनिगनभयभंजन ॥ जयनिसि
चरीकरूपकरनरघुवंसविभूषन ॥ सुभटचतुर्दससह
सदलनत्रिसिराखरदूषन॥जयदंडकवनपावनकरनतु

लसिदाससंसयसमन ॥ जगबिदितजगतमनिजयति जयजयजयजानकीरमन ॥ ४८ ॥ जयमायामृगम थनगीधसवरीउद्धारन ॥ जयकबंधसूदनबिसालत रुतालबिदारन ॥ दवनबालिबलसालिथपनसुग्री वसंताहेत ॥ कपिकरालभटभालुकटकपालककृपा लचित ॥ जयसियबियोगदुखहेतुकृतसेतुबंधवारि धिदमन ॥ दससीसबिभीषनअभयप्रदजयजयजान कीरमन ॥ ४९ ॥ कनककुधारकेदारबीजसुंदरसुर मुनिवर ॥ सोचिकामधुकधेनुसुधामयपयबिसुद्ध तर ॥ तीरथपतिअंकुरस्वरूपजछेसरक्षतेहि ॥ मर कतमनिसाखासुपत्रमंजरीसुलक्षिजेहि ॥ कैवल्यस कलफलकल्पतरुसुभसुभाउसवसुखबरिसे ॥ क हैतुलसीदासरघुबंसमनितौकिहोंहितवकरसरिसे ॥ ॥ ५० ॥ जाइसोसुभटसमर्थपाइरनरारिनमंडै ॥ जाइसोजतीकहाइबिखैबासनानछंडै ॥ जाइधनिका बिनुदानजाइनिर्धनबनुधर्महि ॥ जाइसोपंडितपढि

पुरानजोरतनसुकर्महि ॥ सुतजाइमातुपितुभक्तिवि
नुतियसोजाइजेहिपतिनहित ॥ ५१ ॥ कोनक्रोध
निर्दहेउकामवसकेहिनहिकीन्हो ॥ कोनलोभदृढफं
दबांधित्रासनकरिदीन्हो ॥ कवनहृदयनहिलागक
ठिनअतिनारि नयनसर ॥ लोचनयुतनहिअंधभयउ
श्रीपाइकवननर ॥ सुरनागलोकमहिमंडलहुसो
जोमोहकीन्होजयन ॥ कहैतुलसीदाससोऊबरेज
हिराखुरामराजीवनयन ॥५२॥ सवैया ॥ भौंहकं
मानसंधानसुठानजोनारिविलोकनिबांनतेबांचै ॥
कोपकृसानुगुमानअवावटजेजिनकेमनआंचनआंचै
॥ लोभसबैनटकेवसव्हैकपिज्योंजगमेंबहुनाचननां
चै॥ नीकेहैसाधुसबैतुलसीपैतेईरघुवीरकेसेवकसांचै
॥ ५३ ॥ ॥ घनाक्षरी ॥ ॥ वेषसुवनाइभलेवच
नकहैंचुवाइजाइतोनजरनिधरानेधनधामकी ॥ को
टिकउपाइकरिलालिपालियतदेहमुखकहियतगति
रामहीकेनामकी ॥ प्रगटैउपासनादुरावैदुर्वासना

हिमानसनेवासभूमिलोभमोहकामकी ॥ रागरोषई
षांकपटकुटिलाईभरेतुलसीसे भगतभगतिचाहैंरा
मकी ॥ ५४ ॥ कालिहीतरुनतनकालिहीधरनिध
नकालिहीजितौंगोरनकहतकुचालिहे ॥ कालीही
साधोगेकाजकालहीराजासमाजमोसोकोउकहाभा
रेमहीमेरुहालिहे ॥ तुलसीयहोकुभांतिघनेघरघा
लिआये घनेघरघालतहैघनेघरघालीहै ॥ देखतसु
नतसमुझतहूनसूझैं सोई कबहूं कह्यौ नकालहूको
कालकालिहे ॥ ५५ ॥ भयोनतिकालतिहूलोकतु
लसीसोमंदनीदैसबसाधुसुनिमानोनसकोचहौं ॥
जानतनजोगहियहांनिमाजैजानकीसकाहेकोपरेखो
हौ पापीप्रपंचीपोचहौं ॥ पेटभरिवेकेकाजमहारा
जकोकहायोमहाराजहूंकह्यौहैप्रनतबिमोचहौं ॥ नि
जअघजालकलीकालकीकरालता बिलोकिहोतव्या
कुलकरतसोईसोचहूं ॥ ५६ ॥ धर्मकोसेतुजगमंगल
कोहेतुभूमिभारहरिबेकोअवतारलियोनरको ॥ नी

तिजांप्रतीतिप्रीतिपालचालिप्रभुमानलोकवेदराखि
बेको पनरघुबरको ॥ बानरविभीषनकीऔरकोकना
वडोहैसोप्रसंगसुनेअंगजरेअनुचरको ॥ राखेरीति
आपनीजोहोइसोइकीजैबलितुलसीतिहारोघरजा
इउहैघरको ॥ ५७ ॥ नाममहाराजकेनिवाहिनी
कोकीजैउरसवहीसोहातमैनलोगनसोहातहौं ॥ की
जैरामवारएहीमेरीऔरचखकोरताहिलगिरंकज्यौंस
नेहकोललातहौं ॥ तुलसीविलोकिकलिकालकी
करालताकृपालकोसुभाउसमुझतसकुचातहौं ॥ लो
कएकभांतिकोत्रिलोकनाथलोकवसआपनोनसो
चस्वामीसोचहो सुखात्तहौं ॥ ५८ ॥ तौलौंलो
भलोलुपललातलालचीलवारबारबारलालचधर
निधनधामको ॥ तवलौंवियोगरोगसोगभोगजा
तनाकेजुगसमलागतजीवनजामजामको ॥ तौलौं
दुखदारिददाहतअतिनिततन तुलसीहैकिंकरविमो
हकोहकामको ॥ सबदुखआपनेनिरापनेसकलसुख

जौंलौंजनभयोनबजाइराजारामको ॥ ५९ ॥ तौलौं
मलीनहीनदीनसुखसपनेनजहांतहां दुखीजनभा
जनकलेसको ॥ तौलौंउबेनपायफिरतपेटौखला
यबायेमुहसहतपराभवदेसदेसको ॥ तबलौंदयाब
नोदुसहदुखदारिदकोसांथरीकोसोइबोओढिबोदूने
खेसको ॥ जबलौंनभजैजीहजानकीजीवनरामराज
कोराजासोतौसाहेबमहेसको ॥६०॥ ईसनकेईसम
हाराजनकेमहाराजदेवनकेदेव देवप्रानहूंकप्रानहौं॥
कालहूंकेकाल महाभूतनके महाभूतकर्महूंके करम
निदानके निदानहौं ॥ निगमको अगम सुगमतुल
सीहूंसेकोएतेमानसील सिंधुकरुनानिधानहौं॥महि
माअपारकाहूबोलकोनबारापारबडीसाहिबीमेनाथ
बडेसावधानहौं ॥ ६१ ॥ ॥ सवैया ॥ ॥ आरतपा
लकृपालजेरामजेहीसुमिरेतेहिकोतहांठाटे ॥ नाम
प्रतापमहामहिमाअकरेकियेखोटे ॥ छोटेउबाढेसेव
कएकतेएकअनेकभयेतुलसीतिहुंतापनतेडाटे ॥ प्रे

मवदौंमहलादहिकोजिनपाहनतेपरमेसुरकाटे॥६२
काढिकृपानकृपानकहुपितुकाकालकरालबिलोक
नभागे॥ रामकहांसवठांउहैंखंभमेहांसुनिहांकनि
केहरिजागे॥ वैरीविदारिभयेविकरालकहैमहलाद
हिकेअनुरागे॥ प्रीतिप्रतीतिबढातुलसीतबतेसबपा
हनपूजनलागे॥६३॥ अंतरजामिहुतेबडेबाहेरजा
मिहैरामजेनामलियेते ॥ धावतधेनुपन्हाइलवाइ
जौबालकबोलनीकानकियेते ॥ आपनिबूझिकहैतु
लसीकहिवेकीनबावरिबातवियेते ॥ पैजपुरेमहला
दहुकोप्रगटेप्रभुपाहनतेनहियेते ॥६४॥ बालकबा
लिदियोबलिकालकोकायरकोटिकुचालचलाईपा
पीहैबापबडोपरितापतेआपनीओरतेखोरिनलाई॥
भूरिदईविपभूरिभईमहलादसुधाईसुधसुधाकीमला
ई॥ रामकृपातुलसीजनकोजगहोतभलेकोभलोई
भलाई॥६५॥ कंसकरीब्रजवासिनपैंकरतूतिकु
भांतिचलैनचलाई॥ पंडुकेपूतसपूतकपूतसुजोध

नभोकलिछोटोछलाई ॥ कान्हकृपालबडेनतपा
लगयेखलखेचरखीसखलाई ॥ ठीकप्रतीतिकहैतु
लसीजगहोइभलेकोभलोई भलाई ॥ ६६ ॥ अव
नीसअनेकभयेअवनीजिनकेटरतेसुरसोचसुखाहीं॥
मानवदानवदेवसतावनरावनघाटिरच्यौजगमाहीं ॥
तेमिलयेधरिधूरीसुजोधनजेचलतेबहुछत्रकिछांहीं॥
बेदपुरानकहैजगजानगुमानगोविंदहिभावतनाहीं
॥६७॥ जबनैननप्रीतिठईठगस्यामसोसयानिसखी
हठिहौबरजी ॥ नहिजानौवियोगसुरोगहैआगेझुकी
तबहौंतौहिसौतरजी ॥ अबदेहभईपटनेहकेघालेसो
खोजकरैबिरहादरजी ॥ब्रजराजकुमारबिनासुनुभृंग
अनंगभयोजियकोगरजी ॥६८॥जोगकथापठईब्रज
कोसबसोसठचेरीकीचालचलाकी ॥ ऊधौजूकौनक
हैकुबरीजोबरीनटनागरहेरिहलाकी ॥ जाहिलगेप
रिजानैसोईतुलसीसोसोहागिनिनंदलालकी॥जानी
हैजानपनीहरिकीअबबांधियैगीकछुमोटकलाकी ॥

॥ ६९॥घनाक्षरी ॥ ॥पठयेहैछपदछवीलेकान्हकेहू
कहूखोजिकैखवासखासोकूबरीसोबालको॥ज्ञानको
गढैयाविनुगिराकोपढैयावारखालकोकढैयासौंबढै
याउरसालको ॥प्रीतिकोवधिकरसरीतिकेअधिकनी
तिनिपुनविवेकहैनिदेसदेसकालको॥तुलसीकिहैनब
नैसहेहींबनैगीसवजोगभयोजोगकोवियोगनंदला
लको॥७०॥ हनुमानव्हैकृपाललाडिलेलपनलाल
भावतेभरतहैजेसेवकसहायजू ॥विनतीकरतदीनदूब
रोदयावनोसोविगरेतेआपुहीसुधारिलीजेभायजू ॥
मेरीसाहिबिनीसदासीसपरविलसतिदेवीक्यौंनदास
कोदेखाइयतपायजू ॥ झीरवहूमेरीझिवेकीबानिराम
रीझतहेरीझव्हैहैरामकीदोहाईरघुरायजू॥७१॥ ॥स
वैया॥ ॥ वेषविरागकोरागभरोमनभावकहौंसतिमा
वहौंतोसो ॥तेरेहीनाथकोनामलैवेचिहौंपातकीपांव
रपाननिपोसो॥येतेवडेअपराधीअघीकहूतैकहौंअंब
किमेरोतूमोसो ॥ स्वारथकोपरमारथकोपरिपूरनभो

फिरिघाटनहोंसो॥ ७२ ॥ ॥घनाक्षरी॥ ॥जहांबा
ल्मीकभयेंव्याधतेमुनिंदसाधुरामराजपेसिखसुनि
रिषिमातकी ॥ सीयकोनिवासलवकुसकोजनमथल
तुलसीछुअतछांहतापगरैगातकी ॥ बिटपमहीपसु
रसरितसमीपसोहैसीताबटपखतपुनीतहोतपातकी
॥ बारिपुरदिगपुरबीचबिलसतिभूमिअंकितजो जा
नकीचरनजलजातकी ॥ ७३ ॥ मरकतबरनपरन
फलमानिकसेलसैजटाजूटजनुरूषबेषहरहै ॥ सुख
माकोढेरुकैंधौंसंपदासकलमुदमंगलकोघरुहै ॥ देत
अभिमतजोसमेतप्रीतिसेइयेप्रतीतिमानितुलसी बि
चारिकाकोथरुहै ॥ सुरसरिनिकटसोहावनीअवनि
सोहैरामरावनीकोबटकलिकामतरुहै ॥ ७४ ॥ दे
वधुनीपासमुनिबासश्रीनिवासजहांप्राकृतहूंबटबूट
बसतपुरारिहै ॥ जोगजपजागकोबिरागकोपुनीतपी
ठि रागिनपैसीठिडीठिबाहिरीनिहारिहै ॥ आयसु
आदेसबाबूभलोभलोभावसिद्धतुलसीबिचारीजो

गीकहतपुकारिहै ॥ रामभगतनकोतोकामतरुतेअ
धिकसीयवटसेयेकरतरफलचारिहै ॥ ७५ ॥ ज
हांवनपावनोसोहांवनेविहंगमृगगदेखिअतिलागत
अनंदखेतखूटसो ॥ सीतारामलषननिवासबासमु
निनकोसिद्धसाधुसाधकसबै बिबेककूटसो ॥ झरना
झरतवारिसीतलपुनीतवारिमंदाकिनिमंजुलमहेसज
टाजूटसो ॥ तुलसीजोरामसोसनेहसांचो चाहिये
तोसेइयेसनेहसो विचित्र चित्रकूटसो ॥ ७६ ॥
मोहवनकलिमलजरतजनिजानिजियसाधुगाइविप्र
नेकभयकोनिवारहै ॥ दीन्हीहैरजाइरामपाइसोसहा
यलाललषनसमर्थबीरहेरिहेरिमारिहै ॥ मंदाकिनि
मंजुलकमानअसिवानजहांवारिधारधीरधरिसुकर
सुधारिहै ॥ चित्रकूटअचलअहेरीवैठ्योघातमानो
पातकेव्रातघोरसावकसंघारिहै ॥ ७७ ॥ सवैया ॥
लागिदवारिपहारढहीलहकीकपिलंकजथाखिरखौ
की ॥ चारुचुवाचहुंओरचलीलपटैझपटैसोतमीच

रतौकी ॥क्यौंकहिजातमहासुखमाउपमातकिताक
तहैकबिकौकी ॥ मानोलखीतुलसीहनुमानहियेज
गजीतजरायकीचौकी॥७८॥ देवकहैअपनीअपनी
अवलोकनतीरथराजचलोरे ॥ देखिमिटैअपराध
अगाधनिमज्जतसाधुसमाजभलोरे ॥ सोहैसितासि
सितको मिलिवो तुलसी हुलसै हियहेरि हलोरे ॥
मानोहरेतृनचारुचरैबगरैसुरधेनुकेधौलकलोरे ॥
॥ ७९ ॥ देवनदीकहजोजनजानकियेमनसाकुलको
टिउधारे ॥देखिचलैझगरैसुरनारिसुरेसबनाइबेवान
संवारे ॥ पूजाकोसाजबिरंचिरचैतुलसीजेमहातमजा
ननिहारे ॥ औककीनेवपरीहरिलोकबिलोकतगंगत
रंगतिहारे ॥ ८० ॥ ब्रह्मजोव्यापकबेदकहैगमनाहि
गिरागुनज्ञानगुनीको ॥जोकरताभरताहरतासुरराइ
सुसाहिबदीनदुनीको ॥ सोइभयोद्रवरूपसहीजोह
नाथबिरंचिमहेसमुनीको ॥मानिप्रतीतिसदातुलसी
जलकाहेनसेवतदेवधुनीको८१बारितिहारोनिहारो

निहारिमुरारिभयेपरसेपदपापलाहौंगो ॥ ईसन्हैसी
न धरेपैडरोंप्रभुकीसमताबडेदोषदहौंगो॥ बरुबरहि
बारसरीरिधरौरघुबीरकोन्हैतबतीररहौंगो ॥ भागीर
थीबिनवौंकरजोरिबहोरिनषोरिलगैसोकहौंगो॥८२
घनाक्षरी॥ ॥लालचीलालतबिललातद्वारद्वारदीन
बदनमलीनमनमिटैनबिसूरना ॥ ताकतकराधकैबि
बाहकैऊछाहकछुडोलैलोलबूझतसबदढोलतूरना॥
प्यासेनपावहिवारिभूखेनचनकचारिचारतआहार
तेपहारटारिधूरना॥सोककोअगारदुखभारभरैतौलौ
जौलौदेवीद्रवैनभवानीअन्नपूरना॥८३॥छप्पै॥भस्म
अंगमर्दनअगनसंततअसंगहर ॥सीसगंगगिरिजाऽर्धं
गभूषनभुजंगवर मुंडमालबिधुबालभालडमरूकपा
लकर॥बिबुधबृंदनवकुमुदचंद्रसुखकंदसूलधर ॥ त्रि
पुरारित्रिलोचनदिगवसनविषभोजनभवभयहरन ॥
कहैतुलसीदाससेवतसुलभसिवसिवसंकरसरन॥८४
गरलअसनदिगवसनव्यसनभंजनजनरंजन ॥ कुंदइं

दुकर्पूरगौरसच्चिदानंदघन ॥बिकटबेसउरसेससीससु
रसरितसहजसुचि ॥ सिवअकामअभिरामधामनित
रामनामरुचि ॥ कंदर्पदर्पदुर्गमदमनउमारमनगुनभ
वनहर ॥ त्रिपुरारित्रिलोचनत्रिगुणपरत्रिपुरमथनज
यत्रिदसबर ॥ ८५ ॥ अर्धअंगअंगनामहानामजो
गीसजोगपति ॥ विषमअसनदिगवसननामबिश्वेस
बिस्वगति ॥ करकपालसिरमालव्यालविषभूति
बिभूषन ॥ नामसुद्धअबिरुद्धअमरअनवंद्यअदूषन
॥ विकरालभूतबेतालप्रियभीमनामभवभयदमन ॥
सबबिधिसमर्थमहिमाअकत्थसोतुलसीदाससंसय
समन ॥ ८६ ॥ भूतनाथभयहरनभीमभयभवन
भूमिधर ॥ भानुमंतभगवंतभूतिभूषनभुजंगवर ॥
भव्यभावबल्लवभवेसभवभारबिभंजन ॥ भूरिभागभै
रवकुजोगगंजनजनरंजन ॥ भारतीबदनधर्मसदनस
सिपतंगपावकनयन ॥ कहैतुलसीदासकिनभजसिम
नभद्रसदनमर्दनमयन ॥ ८७॥ ॥ सवैया ॥ ॥मां

गोफिरैकहैमागनोदेखिनखांगोकछजनिमागियेथोरे ॥ संकनिनांकपरींझिकैरतुलसीजगजोजुरेजाचकजोरे ॥ नाकसंभारतआयौहौंनाकहिनाहिपिनाकहिनेकुनिहोरे ॥ बिरंचिकहैगिरिजासिखवोपतिरावरोदानिहैबावरोभोरे ॥ ८८ ॥ बिषपावकव्यालकपालगरेमरेनागततौतिहुंतापनडाढे ॥ भूतबेतालसखाभवनामदलैपलमेभवकेभयगाढे ॥ तुलसीसदरिद्रसिरोमनिसोसुमिरदुखदारिददोहिनठाढे ॥ भोनमेंभांगधतूराइआंगननामेकेआगेहैंमांगनेबाढे ॥ ८९ ॥ सीसवसेवरदाबरदानिचढ्यौबरदाघरन्यौबरदाहै ॥ धामधतूराबिभूतिकोकूरोनिबासतहांसबलैमरदाहै व्यालीकपालिहैख्यालीचहूंदिसिमांगकेठाटिन्हकोपरदाहै ॥ रांकसिरोमनिकाकिनिभावबिलोकतलोकपकोकरदाहै ॥ ९० ॥ दानिजोचारिपदारथकोत्रिपुरारितिहूंपुरमोंसिरटीको ॥ भारोभलोभलेभावकोमखोभलोईकियोसुमिरतुलसीको ॥ ताबिनु

आसकोदासभयोकबहूंनमित्यौलघुलालचजीको ॥
॥ साधोकहांकरिसाधनतेंजोपैराधोनहीपतिपारब
तीको ॥ ९१ ॥ जातेजरेसबलोकबिलोकित्रिलो
चनसोबिषलोकलियोहै ॥ पानकियोबिषभूषन
भोकरुनाबरुनालयसांइहियोहै ॥ मेरोइफोरबे
जोगकपारकिधौंकछुकाहूलखाइदियोहै ॥ काहेन
कानकरौबिनतीतुलसीकलिकालबेहालकियोहै ॥
॥ ९२ ॥ घनाक्षरी ॥ ॥ खायोकालकूटभयोअजर
अमरतनभवनमसानगथगाठरीगरदकी ॥ डमरूक
पालकरभूषनकरालव्यालबावरेबडोकिरीझबाहनब
रदकी ॥ तुलसीबिसालगोरेगातबिलसतभूतिमा
नौ हिमगिरिचारुचांदनीसरदकी ॥ अर्थधर्मकाममो
क्षबसतबिलोकनिमेकासीकरामतिजोगीजागतिमर
दकी ॥ ९३ ॥ पिंगलजटाकलापमाथेतौ पुनीत
आपपावकनैनाप्रतापभूपबरतहै ॥ लोचनबिसाल
लालसोहैबालचंद्रभालकंठकालकूटव्यालभूलषन

धरतहैं ॥ देतनअघातरीझिखातपातआकहीकेभोरा
नाथजोगीजवअवडरढतरहै ॥ सुंदरदिगंबरबिभूति
गातभांगखातरूरेसृंगीपूरेकालकंठकहतहै ॥ ९४ ॥
देतसंपदासमेतश्रीनिकेतजाचकनिभवनबिभूतिभां
गवृपभवाहनुहै ॥ नामवामदेवदाहिनो सदाअसं
गरंगअरधंगअंगनाअनंगकोमहनुहै ॥ तुलसीम
हेसकोप्रभावभावहीसुगमअगमनिगमहूंकोजानिवो
गहनुहै ॥ भेपतोभिकारीकोभयंकररूपसंकरदयाल
दीनवंधुदानीदारिददहनुहै ॥ ९५ ॥ चाहेनअंगन
अरिएकोअंगमागतेको देवोइपैजानिएसुभावसिद्ध
वानिसो ॥ वारिवुंदचारित्रिपुरारि परडारियैतौदेत
फलचारिलेतसेवासांचीमानिसो ॥ तुलसीभरोसो
नभवेसभोरानाथकोतो कोटिककलेसकरोभरोछार
छानिसो ॥ दारिददमनदुखदोपदाहदावानलदुनीन
दयालदूजोदानिसूलपानिसो ॥ ९६ ॥ काहेकोअ
नेकदेवसेवतजागैमसानखोअतअपानसठहोतहठि

प्रेतरे ॥ काहेकोकोटीउपायकरकमरतधायजाचतन
रेसदेसदेसकेअचेतरे ॥ तुलसीप्रतीतिबिनुत्यागेतौप्र
यागतनुधनहींकेहेतदानदेतकुरुखेतरे॥पातद्वैधतूरके
हैंभोरेकैभवेससोसुरेसहीकीसंपदासुभायसोनलेतरे
॥ ९७ ॥ सकटगयंदबाजिराजिभलेभलेभटधन
धामनिकरकरनिहूंनपूजैक्वै ॥ बनिताबिनीतपूतपाव
नसोहाबनऔबिनयबिबेकबिद्यासुभगसरीरबै॥इहां
औरसोसुखपरलोकसिवलोकआकताकौफलै तुल
सीसोसुनोसावधानव्है ॥ जानेबिनुजानेकैरिसानेके
लिकबहुकसिवहिचढायेव्हैहैबेलकेपतोआद्वै॥९८॥
रतिसीखनिसिंधुमेषलाअवनिपतिऔनिपअनेकठा
ढेहाथजोरिहारिकै ॥ संपदासमाजदेखिलाजसुर
राजहूंकेसुखसबबिधिदीन्हेहैसवारिकै ॥ इहांऐसो
सुखसुरलोकसुरनाथपदताकोफलतुलसीसो कहै
गोबिचारिकै ॥ आककेपतौआचारिफूलकेधत्तूरेके
द्वैदीन्हेव्हैहैंबारकपुरारिपरढारिकै॥ ९९ ॥देवसरि

सेवोंवामदेवगांवरावरेहींनामरामहीकेमांगिउदरभर
तहौं ॥ दीवेजोगतुलसीनतेलकाहूकोकछुकलिखी
नभलाईआलपोचनकरहौं ॥ येतेहूंपरकोउजोराव
रोहूंजोरकैरताकौंजोरदेवदीनद्वारैंगुदरतहौं ॥ पाइकै
औराहनोऔराहनोनदीजे मोहिकलिकालकासना
थकहे निवरतहौं ॥ २०० ॥ चेरोरामरायकोसुज
ससुनितेरोहरुपाइतरआइरह्यौसुरसरितीरहौं ॥ बा
मदेवरामकोसुभावसीलजानियतनातोनेहजानिजि
यरघुवीरभीरहौं ॥ अधिभूतबेदनाबिषमहोतभूतना
थतुलसीविकलपाहिपचतकुपीरहौं ॥ मारियेतोअ
नायासकासीवासरवासफलज्याइयैतोकृपाकरिनिरु
जसरीरहौं ॥ १ ॥ जीवेकीनलालसादयालमहादेव
मोहिमालुमहैंतौकौमरभेइकोरहतहौं ॥ कामरिपुरा
मकेगुलामनिकोकामतरुअबलंवजगदंगवसहितच
हतहौं ॥ रोगभयोभूतसोकुसूतभयोतुलसीकोभूत
नाथपाहिपदपंकजगहतहौं ॥ ज्याइयेतोजानकीजी

वनजनजानिजियमारियेतोमांगीमीचसुधियेकहत हौं ॥ २ ॥ भूतभवभवतिपिसाचदूतप्रेतप्रियआप नोसमाजसिवआपुनीकेजीनिये ॥ नानाबेषबाहन बिभूषनबसनबासखानपानबलिपूजाबिधिकोबखा निये॥रामकेगुलामनकीरीतिप्रीतिसूधिसबसबसोस नेहसबहीकोसनमानिये ॥ तुलसीकीसुधरैसुधारेभू तनाथहीकेमेरेमायबापगुरु संकरभवानिये ॥ ३ ॥ गौरीनाथभोरानाथ भवतभवानीनाथ बिश्वनाथपु रफिरि आनकलिकालकी ॥ संकरसे नरगिरि जा सी नारी कासी बासी बेदकही सहीसिसिसेखरकृ पालकी ॥ छमुखगनेसतेमहेसतेपिधारेलोगबिकल बिलोकियतनगरीबिहालकी ॥ पुरीसुरबेलीकेलि काटतकिरातकलिनिठुरनिहारिये उघारि डीठिभा लकी ॥ ४ ॥ ठाकुरमहेसठकुराइनिउमासीजहांलो कबेदहूंबिदितमहिमाठहरकी ॥ मठरुद्रगनभूतगन पतिसेनापतिकलिकालकीकुचालकाहूतोनहरकी ॥

बसीविश्वनाथकी विखादबडो वारानसी बूझियेन
ऐसीगतिसंकरसहरकी ॥ कैसेकहैतुलसीवृखासुरके
वरदानिवानिजानिसुधातजिपीवनजहरकी ॥ ५ ॥
लोकवेदहूंविदितवारानसीकीबडाईबासी नरनारीई
सअंबिकासरूपहैं ॥ कालनाथकोतवालदंडकारिदंड
पानीसभासदगनपसेअमितअनूपहैं ॥ तहवूंकुचाल
कलिकालकीकुरीतिकैधौंजानतनमूढइहांभूतनाथ
भूपहैं॥फलैफूलैफैलैखलसीदैसाधुपलपलबाती दी
पमालिकाउठाइयतसूपहैं ॥६॥ पंचकोसपुन्यकोस
स्वारथपरमारथकोजानिआपुआपनेसुपासबासदि
योहै ॥ नीचनरनारिनसंभारि सकैआदरलहतफल
कादरविचारिजोनकियोहै ॥ वारिबारानसीविनुकहै
चक्रचक्रपानिमानिहितहानिसोमुरारिमनभियोहै ॥
रोसमेभरोसोएकआसतोसकहिजात विकल बिलो
किलोककालकूटपियोहै ॥ ७ ॥ रचतविरंचिहरि
पालतहरतहेरतेरेहिप्रसादजगअगजगपालिकै ॥

तोहिमेबिकासबिश्वतोहिमेबिलाससवतोहिमे समा
तुमातुभूमिधरबालिके ॥ दीजैअवलंबजगदंबनबि
लंबकीजैकरुनातरंगिनीकृपातरंगमालिके ॥ रोष
महामारीपरितोषमहतारीदुनीदेखियेदुखारीमुनि
मानसमरालिके ॥ ८ ॥ निपटबसेरेअघऔगुन
घनेरेनरनारिअनेरेजगदंबचेरीचेरेहैं ॥ दारिददुखा
रीदेबिभूसुरभिखारीभीरुलोममोह कामकोहकलि
मलेघरेहैं ॥ लोकरीतिराखिरामसाखीबामदेवजा
निजनकीबिनतीमानिमातुकहिमेरेहैं ॥ महामारी
महेसानीमहिमाकीखानीमोदमंगलकीरासीकासी
बासीदासतेरेहैं ॥९॥लोचनकोपापकैधौंसिद्धसुरसा
पकैधौंकालकेप्रतापकासातिहूतापतईहैं ॥ उंचेनीचे
बीचकैधनिकरंकराजारायहठनिबजाइकरिडीठिपीठ
दईहैं ॥ देवतानिहोरेमहामारीनसोकरजोरेभोरानाथ
जानीमोरेअपनीसीकहीठईहै॥करुणानिधानहनुमा
नबीरबलवानजसरासिजहांतहांतैंसालुटिलईहै १०

॥ संकरसहरसरनारिनरबारिचारिविकलमहामारिम हामायाभईहै ॥ उछरतउतराहतहरातमरिजातभभ रिभगातजलथलमीचमईहै देवनदयालमहिपालन कृपालचितवारानसीबाढतअनीतिनितनईहै पाहिर घुराजपाहिकपिराजरामदूतरामहूंकाबिगरीतुहीसु धारिलईहै ११एकतौंकरालकलिकालसूलमूलतामे कोढमेकीखाजसीसनीचरिहैमीनकी वेदधर्मदूरिगये भूमिचोरभूपभयेसाधुसिद्धमानजातबी तेपापपीन कीदूसरेकोदूसरोनद्वाररामदयाधामरावराइगतिब लिबिभवविहीनकी ॥ लागैगीपैलाजवाविराजमान विरदहिमहाराजआजजोनदेतदादिदीनकी॥१२॥रा मनाममातपितुस्वामीसमरथ हितुआसरामनामकी भरोसोरामनामको ॥ प्रेमरामनामहीसोंनेमरामना हीकोजानोनमरमपगदाहिनोनवामको ॥ स्वारथस कलपरमारथको रामनामरामनामहनितुलसीनका हूकामको॥ रामकीसपथसर्वसमेरेरामनामकामधेनु

गमतरूमोसेछीनछामको ॥ १३ ॥ सवैया ॥ मारग
ारिसुरमारिकुमारगकोटिककैधनजीतिकैलीयो सं
करकोपसोपापकोदामपरिछितजाहिगोजारिकैहो
यो कासीमेकंटकजेतेभयेतेगेपाइअघाइकैआपनोकी
यो आजुकिकालिपरोंकिनरोंजडजांहिगेचाटिदेवारि
कीदीयो॥१४॥कुंकुमअंगसोरंगजितोमुखचंडसोहो
डपरीहै॥बोलतबोलसमिद्धचवैअवलोकतसोचबि
षादहरीहै॥गौरीकोगंगबिहंगनिबेखकीमंजुलमूरति
मोदभरीहै ॥ पेखिसप्रेमपयानसबैसबसोचबिमोच
नछेमकरीहै ॥ १५ ॥ ॥ घनाक्षरी ॥ ॥ मंगल
कीरासिपरमारथकीखानिजाकी बिरचिबनाइबिधि
केशवबसाईहै ॥ प्रलयहूंकालराखीसूलपानिसूल
षरमीचबचनीसोउचाहतखसाईहै ॥ छांडिछितिपा
लजोपरीछितभयेकृपालभलोकियोखलकोनिकाई
सोनसायीह ॥ पाहिहनुमानकरुनानिधानरामपा
हिकासीकामधेनुकलिकुहतकसाईहै ॥ १६ ॥ बि

रचीविरंचिकीवसतविश्वनाथकीजोप्रानहूं तेप्यारीपु
रीकेसवकृपालकी ॥जोतिरूप लिंगमयी अगीनित
लिंगमयीमोछवितरनि विदरनि जगजालकी ॥ दे
वी देवदेवसरिसिद्धमुनिवरवासलोपति बिलोकति
कुलि पिओडेआलकी ॥ हाहाकरैतुलसीदयानिधा
नरामऐसीकासीकीकदर्थनाकरालताकलिकालकी॥
॥ १७ ॥ आश्रमवरनकलिबिबसविकलभयेनिज
निजमरजादमोटरी सीडारदीसंकरसरोखमहामारि
हि तेजानियतसाहिबसरोखदुनीदिनदिनदारकी ॥
नारिनरआरतपुकारतसुनैनकोऊकाहूदेवननिमि
लिमोठीमुटीमारदी ॥ तुलसीसभीतपालसुमिरेकृ
पालरामसमैसुकरुनासराहिसनकारदी ॥ २१८ ॥
॥ इतिश्रीतुलसीदासकृतकवित्तरामायणसमाप्त ॥
॥ श्रीलक्ष्मीनारायणार्पणमस्तु ॥ ॥ शुभमस्तु ॥